www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 202 || अम्बेडकरनगर
बुधवार
14 अक्टूबर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
मौसम
सूर्योदयः 06:04
सूर्यास्तः 05:40
अधिकतमः 33°00
न्यूनतमः 22°00



पेज 07

विशेष समाचार | विरोधाभासी चरित्र से अमेरिका... >> पेज 04 | 2 कारोबारी भाइयों की हत्या... >> पेज 06 | मोहनलाल ने अजय देवगन ...

‘2029 में हार का मन बना लें’

शाह का राहुल पर वार- एसआईआर के बहाने घुसपैठियों को बचाने की योजना जनता समझ चुकी

अमित शाह ने गुजरात निकाय चुनाव में भाजपा की जीत का जिक्र किया। इस दौरान उन्होंने राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि गांधीनगर नगरपालिका में भाजपा के वोट शेयर में 10 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। शाह ने राहुल गांधी से आत्मनिरीक्षण करने को कहा और सवाल उठाया कि क्या कांग्रेस की हार को एसआईआर का परिणाम बताया जाएगा।

पलटवार

एसआईआर और घुसपैठियों के मुद्दे पर बोले शाह



तमसा संकेत, एजेंसी

अहमदाबाद । गुजरात के निकाय चुनाव में भाजपा की जीत के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस गुजरात में 41 साल बाद भी जीत हासिल नहीं कर पाई है। शाह ने राहुल गांधी से आत्मनिरीक्षण करने को कहा और सवाल उठाया कि क्या कांग्रेस की लगातार चुनावी हार को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का परिणाम बताया जाएगा। उन्होंने गुजरात से लेकर राजस्थान और त्रिपुरा तक के चुनावी नतीजों का जिक्र करते हुए भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की जीत का दावा किया। शाह ने तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पुदुचेरी में हुए उपचुनावों का हवाला देते हुए कहा कि कांग्रेस को इनमें एक भी सीट नहीं मिली।

>> (शेष पेज 06 पर)

> केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, 'भारतीय जनता पार्टी ने राजस्थान में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में भी शानदार जीत हासिल की है। बीजेपी ने 90% नगर निगमों, 66% नगर परिषदों और 65% नगर पालिकाओं पर कब्जा किया।

अमित शाह ने गुजरात चुनाव के नतीजों पर क्या कहा?

शाह ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने 32 सीटों पर चुनाव लड़ा और सभी 32 सीटों पर उसकी जमानत जब्त हो गई। उन्होंने दावा किया कि गुजरात के मतदाता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मजबूती से खड़े हैं। शाह के मुताबिक, गांधीनगर नगरपालिका में भाजपा के वोट प्रतिशत में 10 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस गुजरात में आखिरी बार 1985 में जीती थी और अब 41 साल बाद भी यहां जीत नहीं पाई है। शाह ने राहुल गांधी से सवाल किया कि क्या इस हार को भी एसआईआर का परिणाम बताया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की जीत को एसआईआर से जोड़कर खारिज करने के बजाय कांग्रेस को अपनी हार के कारणों पर विचार करना चाहिए।

बैलेट पेपर से चुनाव कराने पर शाह क्या बोले?

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, 'जो लोग नतीजों के लिए बैलेट मशीनों को वजह बताते हैं, उन्हें मैं बताना चाहता हूं कि ये चुनाव बैलेट पेपर से हुए थे यह बात उस तर्क को पूरी तरह गलत साबित करती है कि बैलेट मशीनों की वजह से बीजेपी चुनाव जीतती है। त्रिपुरा में 33 सालों से कांग्रेस का कोई मुख्यमंत्री नहीं जीता है। बंगाल में कांग्रेस पार्टी को 54 सालों से जीत नहीं मिली है। बंगाल, त्रिपुरा और गुजरात जैसे राज्यों में कांग्रेस पार्टी को तीन, चार या पांच दशकों तक हार का सामना करना पड़ा है।

राहुल गांधी और कांग्रेस को लेकर अमित शाह ने क्या आरोप लगाए?

शाह ने कहा कि राहुल गांधी के कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद से भाजपा लगातार चुनाव जीत रही है। उन्होंने राहुल गांधी के विपक्षी दलों को एकजुट करने के प्रयासों पर भी सवाल उठाया। शाह ने कहा कि 14 पार्टियों के कार्यकर्ताओं को इकट्ठा करने और आठ हजार लोगों की भीड़ जुटाने से कोई देश की आवाज नहीं बन जाता। उनके मुताबिक, जनता की आवाज गांवों, खेतों, जंगलों और दूर-दराज के इलाकों में है। उन्होंने उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल का जिक्र करते हुए कहा कि वहां भी जनता ने कांग्रेस को हराया है। अमित शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस एसआईआर के बहाने घुसपैठियों को बचाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने दावा किया कि देश की जनता कांग्रेस की इस राजनीति को समझ चुकी है।

>> (शेष पेज 06 पर)

राहुल गांधी बोले- सरप्राइज खराब करना नहीं चाहता

सीईसी और एसआईआर पर क्या है इंडी गठबंधन का प्लान?



राहुल गांधी ने अपने आवास पर विपक्षी दलों के लिए आयोजित चाय-पे-चर्चा के बाद पत्रकारों से कहा, 'आज नहीं तो कल, चाहे कल हो, परसों हो, तीन महीने, छह महीने, एक साल या दो साल बाद, यह विरोध-प्रदर्शन रुकेगा नहीं। यह अपने अंतिम लक्ष्य तक पहुंचेगा।' राहुल गांधी ने आगे कहा, 'मैं आपको ठीक-ठीक नहीं बता सकता कि हम वहां कैसे पहुंचेंगे, क्योंकि इससे सरप्राइज खराब हो जाएगा और हम आपके और देश के लिए उत्साह और सरप्राइज का माहौल बनाए रखना चाहते हैं।'

इंडी गठबंधन का विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा

राहुल गांधी ने विरोध प्रदर्शन पर कहा, 'कांग्रेस के नेतृत्व वाला INDI गठबंधन सरकार के खिलाफ उसी जोश, ताकत और एकता के साथ अपनी लड़ाई जारी रखेगा, जिसके साथ उसने वोटर लिस्ट में 'स्पेशल इंटेंसिव रिविजन' (SIR) प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था।'

अजरबैजान में 96% मुस्लिम, फिर भी हिजाब बैन हुआ

बाकू। मुस्लिम बहुल देश अजरबैजान में स्कूलों में हिजाब पहनने को लेकर विवाद शुरू हो गया है। सरकार ने स्कूलों के ड्रेस कोड में बदलाव किया है। नए नियमों के तहत ऐसे कपड़े पहनने पर रोक लगाई गई है, जिन्हें सरकार धर्मनिरपेक्षता के खिलाफ मानती है।

इसके बाद हिजाब पहनकर स्कूल पहुंचीं कुछ छात्राओं और शिक्षकों को कक्षाओं में जाने से रोक दिया गया। फैसले के विरोध में छात्राओं ने कक्षाओं का बहिष्कार किया और प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। इस फैसले का विरोध पड़ोसी देश तुर्किये तक पहुंच गया है। अजरबैजान की करीब 96% आबादी मुस्लिम है। अजरबैजान सरकार का कहना है कि स्कूलों में सभी छात्रों के लिए एक जैसा ड्रेस कोड होना चाहिए। इसी वजह से यूनिफॉर्म से जुड़े नियम बदले गए हैं। नए नियमों में हिजाब का नाम लेकर सीधे रोक नहीं लगाई गई है।

ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा लेकर रहेंगे :राहुल गांधी

जितना समय लगे, आंदोलन जारी रहेगा

बैठक

तमसा संकेत, एजेंसी



- इंडिया ब्लॉक की 8 दिन में छठी बैठक
- राहुल बोले- मोदी, शाह और ज्ञानेश कुमार को न्याय के कटघरे में लाएंगे

नई दिल्ली । SIR के खिलाफ और ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर INDIA ब्लॉक के नेताओं ने राहुल गांधी के घर चाय पर बैठक की। करीब दो घंटे चली इस बैठक के बाद सभी नेता एक साथ बाहर आए और मीडिया को संबोधित किया। राहुल गांधी ने कहा- मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा लेना हमारा मिशन है। इसमें जितना भी समय लगे, एक दिन, एक साल या दो साल, हमारा आंदोलन जारी रहेगा। राहुल ने कहा कि विपक्ष लोकतांत्रिक प्रक्रिया बहाल करने के लिए अंत तक संघर्ष करेगा। आठ दिन में यह विपक्षी नेताओं की छठी बैठक थी। इसमें सुप्रिया सुले, डी. राजा, तेजस्वी यादव, मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस सांसद के. सुरेश समेत कई नेता शामिल हुए।

>> (शेष पेज 06 पर)

केंद्रीय मंत्री मुरुगन का इस्तीफा राज्यसभा की सदस्यता भी छोड़ी

पीएम को 5 पेज की चिट्ठी लिखी, कहा- तमिलनाडु में बीजेपी को मजबूत करेंगे

निर्णय

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सूचना और प्रसारण, संसदीय कार्य राज्य मंत्री एल मुरुगन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। पीएम मोदी को 5 पेज की चिट्ठी में उन्होंने राज्यसभा की सदस्यता भी छोड़ने की बात कही है। मुरुगन ने चिट्ठी में लिखा-मुझे जिम्मेदारियों से मुक्त किया जाए। मैं तमिलनाडु में BJP को मजबूत करने के लिए अपना समय देना चाहता हूं। मुरुगन ने लिखा, 'आपके नेतृत्व में देश और तमिलनाडु की सेवा करना उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान है। वे गरीब परिवार से आते हैं और उनके माता-पिता मजदूरी करते थे।'



तमिलनाडु के रहने वाले मुरुगन मध्य प्रदेश से राज्यसभा सांसद हैं। उनका कार्यकाल अप्रैल 2030 तक था।

एल मुरुगन जब पहली बार मंत्री बने थे, तब उनके माता पता तमिलनाडु में नमक्कल जिले के कुनूर गांव में दिहाड़ी मजदूरी करते हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

विधानसभा चुनाव में विजय की पार्टी के प्रत्याशी से हारे थे

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में मुरुगन अविनाशी (SC) सीट से किस्मत आजमा चुके हैं। वे दूसरे नंबर पर रहे। उन्हें 56,200 से ज्यादा वोट मिले। सीएम विजय की टीवीके (थलापति विजय की पार्टी) के प्रत्याशी कमाली एस. से वह 15373 वोटों से हार गए थे।

फास्ट न्यूज

बंगाल में हिंदू दुकानों से बिरयानी लें पोस्टर्स पर विवाद

कोलकाता। दुर्गा पूजा से पहले ही पश्चिम बंगाल में पोस्टर्स विवाद छिड़ गया है। सिलीगुड़ी में कई जगह ऐसे पोस्टर्स चिपकाए गए हैं, जिनमें हिंदू दुकानों से ही मांस और बिरयानी खरीदने की अपील की गई है।

भाषण | प्रशंसा

पीएम मोदी बोले- भारत ने दुनिया को सस्ती दवाएं-टैलेंट दिया

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि सस्ती दवाओं से लेकर प्रतिभा तक, दुनिया भारत पर भरोसा करती है। भारत ने दुनिया को शून्य दिया, लेकिन कभी इसका श्रेय या रॉयल्टी नहीं मांगी।

दिल्ली में पहली बार हो रहे ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में मोदी ने 25 मिनट स्पीच दी। कहा कि भारत की ताकत दूसरों को सक्षम बनाने में है। उन्होंने डिजिटल तकनीक, वैक्सीन सप्लाई, आर्थिक सुधारों और वैश्विक चुनौतियों से निपटने में भारत की भूमिका का जिक्र किया।

पंजाब में नशा बेचने का विरोध करने पर हत्या

मानसा। पंजाब के मानसा में नशे के खिलाफ जंग छेड़ने वाले एंटी-ड्रग एक्टिविस्ट परमिंदर सिंह झोटा (45) की मंगलवार (13 अक्टूबर) सुबह दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात उस समय हुई जब झोटा अपने साथियों के साथ शहर की एक केमिस्ट दुकान पर नशा बेचने का खुलासा करने पहुंचे थे और अपने मोबाइल से फेसबुक लाइव कर रहे थे।

आशुतोष और सौरव दास जंतर-मंतर से हिरासत में

सरकार ने कल से ही यहां प्रोटेस्ट बैन किया

नारेबाजी

तमसा संकेत, एजेंसी



- दीपके बोले- तिरंगा लहराना कब से वायलेशन हो गया

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ता सौरव दास और आशुतोष रांका को मंगलवार को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया है। दोनों CJP समर्थकों के साथ जंतर-मंतर पर पहुंचे और नारेबाजी कर रहे थे, जिसके बाद पुलिस ने सभी को पकड़ लिया। इन दोनों के खिलाफ बिना इजाजत जंतर-मंतर में घुसने का मामला दर्ज किया गया।

CJP ने हिरासत में लिए गए नेताओं का वीडियो जारी किया। रांका ने कहा, 'ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तक प्रोटेस्ट जंतर-मंतर पर ही होगा। आज 10 लोग आए हैं, कल 1000 आएंगे, परसों 10,000 आएंगे।' जंतर-मंतर पर अब प्रदर्शन नहीं हो सकते। केंद्र सरकार ने सोमवार को इसे निर्धारित प्रदर्शन स्थल की लिस्ट से हटा दिया था। CJP मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर और SIR के विरोध में प्रदर्शन कर रही है।

>> (शेष पेज 06 पर)

योगी बोले- दंगाई जेल के अंदर उर्स मना रहे, 68 हजार ग्राम प्रहरियों का मानदेय बढ़ाया

अब माफियाओं की पैंट गीली हो जाती है : योगी



सम्मान

तमसा संकेत, एजेंसी

बरेली । सीएम योगी ने मंगलवार को कहा- पहले जब भी पर्व या त्योहार आता था तो बरेली में दंगा शुरू हो जाता था। अब दंगाई जेल के अंदर उर्स मनाने का काम कर रहे हैं। अब कोई दंगा करेगा तो उसे मालूम है कि दंगे की क्या कीमत चुकानी होगी। उन्होंने कहा- बाप, दादाओं की कमाई से भी हाथ धोना पड़ेगा। अब यूपी की पहचान उत्सव से है। डराने वाले खुद डरे हुए हैं। जब यूपी पुलिस की गाड़ी दिखती है तो माफियाओं की पैंट गीली होती दिखाई देती है। यूपी माफिया मुक्त हो चुका है। ये बातें योगी ने शिक्षक सम्मेलन में 9 जिलों से आए शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने शिक्षक कोटे से MLC प्रत्याशी डॉ. हरि सिंह ढिल्लो के लिए वोट करने की अपील की। इससे पहले, योगी ने बरेली में प्रदेश के 68 हजार ग्राम प्रहरियों (चौकीदारों) का मानदेय बढ़ाने का ऐलान किया।

>> (शेष पेज 06 पर)

- सीएम योगी ने ग्राम प्रहरियों से कहा- गांव में आपकी भूमिका सीसीटीवी जैसी है। सजग रहकर सूचना दें, पुलिस कार्रवाई करेगी।



चेन स्नैचिंग की तो अगले चौराहे पर उसका लंगड़ा होना तय

योगी ने कहा- पहले जो सत्ता में थे, वही लूट-खसोट करते थे। ऐसे में पकड़ा किसको जाए। जो रहनुमा थे, वही चोर भी थे। लेकिन, अब यूपी बदल चुका है, क्योंकि अब दंगा, उपद्रव नहीं होता। माफिया मिट्टी में मिल गए हैं। अपराधी के मन में कानून का डर होना जरूरी है। अब किसी ने किसी बेटी पर हाथ डालने का प्रयास किया तो अगले चौराहे पर यमराज उसे यमलोक भेजने की तैयारी कर देते हैं। किसी ने चेन स्नैचिंग की तो अगले चौराहे पर उसका लंगड़ा होना तय है।

> योगी ने कहा- देश या प्रदेश की पहचान वहां की शिक्षा व्यवस्था से होती है। कभी यूपी अपनी शिक्षा व्यवस्था के लिए जाना जाता था। जैसे-जैसे आजादी के बाद सरकारों के एजेंडे से शिक्षा हटती गई, उसका दुष्परिणाम प्रदेश की व्यवस्था पर पड़ा। कानून व्यवस्था पर भी पड़ा। 2017 आते-आते ये हाल हो गए थे कि प्रदेश के सामने पहचान का संकट खड़ा हो गया। शिक्षा व्यवस्था को चौपट कर दिया गया था।

घोषणा : 470 चौकीदारों का सम्मान, ओम प्रकाश राजभर बोले-गांवों की सुरक्षा में मिलेगी मदद

ग्राम प्रहरियों का मानदेय बढ़कर होगा 3500 रुपये

कार्यक्रम

- गांव की सुरक्षा की जिम्मेदारी चौकीदारों पर: हरिओम पांडेय
- सम्मान के साथ जिम्मेदारी भी बढ़ी - धर्मराज निषाद
- पुलिस और प्रशासन के अधिकारी रहे मौजूद





- कटेहरी विधायक धर्मराज निषाद ने कहा कि सरकार ने ग्राम चौकीदारों को सम्मान दिया है। मानदेय बढ़ने के साथ उनकी जिम्मेदारी भी बढ़ गई है। उन्होंने चौकीदारों से अपने दायित्वों का निर्वहन सजगता और जिम्मेदारी के साथ करने की अपेक्षा जताई।

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर।

गांवों की सुरक्षा व्यवस्था में अहम भूमिका निभाने वाले ग्राम प्रहरियों के लिए मानदेय बढ़ाने की घोषणा की गई है। मंगलवार को पुलिस लाइन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण दिखाया गया। इस दौरान जिले के 470 ग्राम प्रहरियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री ओम प्रकाश राजभर, कटेहरी विधायक धर्मराज निषाद और विधान परिषद सदस्य हरिओम पांडेय ने ग्राम चौकीदारों की भूमिका पर बात रखी। विधान परिषद सदस्य हरिओम पांडेय ने कहा कि गांवों की सुरक्षा की जिम्मेदारी ग्राम चौकीदारों के हाथों में है। वे स्थानीय गतिविधियों की जानकारी पुलिस तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनके योगदान से ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस व्यवस्था को प्रभावी बनाने में मदद मिलती है।

>> (शेष पेज 06 पर)

मानदेय में एक हजार रुपये की बढ़ोतरी की घोषणा

पंचायती राज्यमंत्री ओम प्रकाश राजभर ने बताया कि मुख्यमंत्री ने ग्राम प्रहरियों का मासिक मानदेय 2500 रुपये से बढ़ाकर 3500 रुपये करने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि चौकीदारों को पांच लाख रुपये तक के कैशलेस इलाज की सुविधा और मोबाइल फोन भी मिलेगा। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने में मदद मिलेगी।

चीन ने लद्दाख की 28 जगहों को अपना बताया

भारत ने नाम बदले थे, इनमें गोगरा-हॉट स्प्रिंग

आपत्ति

तमसा संकेत, एजेंसी



- चीन बोला- लद्दाख को भारत का यूटी नहीं मानते

बीजिंग/नई दिल्ली । चीन ने लद्दाख की 28 जगहों पर अपना बताया है। चीन ने मंगलवार को इन जगहों के नाम तय करने के भारत के फैसले पर आपत्ति भी जताई। चीन ने कहा- ये इलाके हमारे हैं और भारत के नाम बदलने या नया नाम रखने से जमीन पर मालिकाना हक नहीं बदलेगा। भारत ने 2 अक्टूबर को इन जगहों के नाम आधिकारिक तौर पर तय किए थे। इनमें गोगरा और हॉट स्प्रिंग जैसे इलाके भी शामिल हैं, जहां 2020 में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच तनाव हुआ था।

चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने मंगलवार को कहा कि चीन लद्दाख को भारत की ओर से बनाया गया केंद्र शासित प्रदेश नहीं मानता। चीन ने भारत के इस कदम को गैरकानूनी बताते हुए कहा कि सीमा के पश्चिमी हिस्से के ये इलाके उसके हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

137 केजी प्रतिबंधित धागा बरामद, कारोबारी की मौत के बाद हुई छापेमारी

चाइनीज मांझा बेचने वाले 9 गिरफ्तार

कार्रवाई

तमसा संकेत, संवाददाता

वाराणसी । वाराणसी में चाइनीज मांझे से 55 वर्षीय सुनील गुजराती की मौत के बाद पुलिस ने शहरभर में सख्ती बढ़ा दी है। सोमवार को सभी थाना क्षेत्रों में एक साथ छापेमारी कर 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने 137 किलो से ज्यादा प्रतिबंधित मांझा बरामद किया और इस मामले में 8 मुकदमे दर्ज किए हैं। 11 अक्टूबर को कज्जाकपुरा फ्लाईओवर पर हुए हादसे के बाद पुलिस कमिश्नर ने अवैध मांझे की बिक्री और भंडारण पर रोक लगाने के निर्देश दिए थे। अभियान के दौरान दुकानों, बाजारों और संदिग्ध ठिकानों की जांच की गई। रामनगर में घाट



> इस बड़ी कार्रवाई के बाद वाराणसी के पुलिस आयुक्त ने सभी थाना प्रभारियों (रल्ड२) और चौकी इंचार्जों को बेहद कड़े लहजे में निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि शहर में चाइनीज मांझे की बिक्री, भंडारण और इसके उपयोग पर पूरी तरह से प्रभावी अंकुश लगाया जाए।

किनारे 20 किलो मांझा लावारिस हालत में मिला। पुलिस कमिश्नर ने स्पष्ट किया कि इस कार्य में किसी भी स्तर पर ढिलाई या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अगर किसी भी क्षेत्र में चाइनीज मांझे से कोई दुर्घटना होती है या अवैध बिक्री पाई जाती है, तो सीधे संबंधित थाना प्रभारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी



भेलूपुर में 10 किलो मांझा मिला

भेलूपुर थानाक्षेत्र से एक गिरफ्तारी के साथ 10 किलो चाइना मांझा बरामद हुआ है। लालपुर-पांडेयपुर पुलिस ने 1 आरोपी को गिरफ्तार कर 6. 500 ग्राम प्रतिबंधित मांझा बरामद किया है। सारनाथ पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार करते हुए 3 किलो 865 ग्राम, मंडुआडीह पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार करते हुए 2 किलो और लोहता पुलिस ने 1 व्यक्ति को गिरफ्तार करते हुए आधा किलो मांझा जब्त किया है।

और उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई होगी। कमिश्नरेट पुलिस ने शहर के सभी पतंग व्यवसायियों और आम नागरिकों को चेतावनी दी है कि प्रतिबंधित चाइनीज मांझा

इन थाना क्षेत्रों में हुई गिरफ्तारी

पुलिस विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, सबसे बड़ी सफलता दशाश्वमेध थाने को मिली। यहां पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से अकेले 56 किलोग्राम चाइनीज मांझा जब्त किया। वहीं कोतवाली पुलिस ने 2 आरोपियों को दबोचकर 37.873 किलोग्राम मांझा बरामद किया। इसके अलावा रामनगर में लावारिस 20 किलो घाट किनारे से बरामद हुआ है।

बेचना, उसका स्टॉक रखना या पतंग उड़ाने के लिए उसका इस्तेमाल करना एक गंभीर और दंडनीय अपराध है। ऐसा करने वालों के खिलाफ पर्यावरण संरक्षण अधिनियम और आईपीसी की सुसंगत धाराओं के तहत कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

शहरभर की दुकानों और संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी

वाराणसी कमिश्नरेट पुलिस की टीमों ने सोमवार सुबह से ही शहर के सभी प्रमुख बाजारों, पतंग और धागा बेचने वाली दुकानों के साथ-साथ संदिग्ध गोदामों पर एक साथ दबिश दी। पुलिस आयुक्त के साफ निर्देश थे कि किसी भी कीमत पर जानलेवा चाइनीज मांझे की बिक्री और भंडारण को रोका जाए। इस पूरे अभियान के दौरान पुलिस ने कुल 8 मुकदमे (अभियोग) दर्ज किए हैं।

मिट्टी खनन माफियाओं के हौसले बुलंद

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। मानकों को दरकिनार कर खनन माफिया द्वारा बड़े पैमाने पर किया जा रहा खनन अधिकारियों के संज्ञान में होने के बावजूद भी लगातार जारी है। संबंधित विभागीय अधिकारी जानकर अनजान बने हुए हैं।

ज्ञात हो कि बीते लगभग दो सप्ताह से थाना रामनगर क्षेत्र के ग्राम तौकलपुर मजरे लोधपुरवा किसान के नाम पर मिट्टी खनन का तहसील सिरौली गौसपुर से पट्टा लेकर नियम कानून को धता बताते हुए मिट्टी खनन माफियाओं द्वारा व्यापक पैमाने पर खनन किया जा रहा है। खनन के स्थान पर सीमांकन भी नहीं किया गया है और नियम के मुताबिक 1 मीटर से काफी गहरा खनन किया जा चुका है, जिससे खनन स्थल पर लगे हरे-भरे पेड़ धराशायी हो रहे हैं। रात-दिन खननकर्ताओं द्वारा खनन करके ओवरलोडेड डंपर से क्षेत्र में मिट्टी की बिक्री की जा रही है। गोंडा-बहराइच हाईवे पर निर्माणाधीन पेट्रोल पंप पर



भारी मात्रा में मिट्टी बेची गयी है। रामनगर-बदोसराय मार्ग स्थित पेट्रोल पंप के पास भी भारी मात्रा में मिट्टी की बिक्री की गई है। इसी तरह पूरे क्षेत्र में बड़े पैमाने पर मिट्टी का अवैध कारोबार चल रहा है।ग्रामीणों का आरोप है कि पट्टा के मुताबिक घन मीटर से कई गुना अधिक खनन किया जा चुका, इसके बावजूद खनन लगातार जारी है। शिकायत के बाद कुछ समय के लिए खनन दिखावे के लिए बंद हो जाता है। इसके बाद संबंधित अधिकारियों से साठगांठ करके खननकर्ता फिर खनन चालू कर देते हैं। क्षेत्र के सड़क मार्गों पर दौड़ रहे तेज रफ्तार ओवरलोडेड डंपरों की वजह से सड़क मार्ग तो क्षतिग्रस्त हो ही रहे हैं और दुर्घटना का कारण भी बना हुआ है।

फास्ट न्यूज

लव मैरिज करने वाली महिला ने लिखा- मम्मी-पापा माफ करना

गोरखपुर । मां-पापा मुझे माफ कर देना, शायद मेरी पसंद ही गलत थी...यह लाइनें डायरी में लिखकर लव मैरिज करने वाली गोरखपुर की 24 साल की महिला फंदा लगा ली, इस घटना का एक वीडियो इंस्टाग्राम पर भी पोस्ट कर दिया। यह जानकारी मिलते ही खोराबार पुलिस ने महज छह मिनट के भीतर महिला के घर पहुंचकर उसकी जान बचा ली।

मां चंद्रघंटा के दर्शन को उमड़े भक्त

वाराणसी । शारदीय नवरात्रि के तीसरे दिन मंगलवार को वाराणसी के चौक स्थित मां चंद्रघंटा के प्राचीन मंदिर में दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। ब्रह्म मुहूर्त से ही भक्तों की कतारें लग गईं। हाथों में फूल, नारियल और पूजन सामग्री लेकर पहुंचे श्रद्धालु अपनी बारी का इंतजार करते रहे। मंदिर परिसर में सुबह से ही भक्तिमय माहौल बना रहा। नवरात्रि में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा होती है। तीसरे दिन मां चंद्रघंटा की आराधना की जाती है। धार्मिक मान्यता है कि उनकी पूजा से साहस, शक्ति और निर्भयता मिलती है।

रानीगंज में 37वें मां नौ दुर्गा जागरण महोत्सव की धूम

पूर्व ब्लॉक प्रमुख बृजपाल सिंह 'ज्ञानू' ने निभाई कन्यादान की जिम्मेदारी, राजस्थान के लोक कलाकारों ने भजनों से बांधा समां

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। नवरात्र के पावन अवसर पर सूरतगंज ब्लॉक क्षेत्र के रानीगंज में आयोजित 37वें विशाल मां नौ दुर्गा जागरण महोत्सव में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। मां के जयकारों, भक्ति गीतों और धार्मिक आयोजनों से पूरा परिसर भक्तिमय हो उठा है। स्व० श्री ठाकुर भगौती सिंह स्मारक क्षेत्रीय दुर्गा जागरण समिति, रानीगंज प्रांगण में पिछले 37 वर्षों से निरंतर सजाए जा रहे मां नौ दुर्गा के भव्य दरबार में इस बार भी आस्था और सेवा का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। महोत्सव के साथ साथ हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी समिति की ओर से



दो गरीब कन्याओं का विवाह संपन्न कराकर सामाजिक सरोकार की मिसाल पेश की गई। महोत्सव समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व ब्लॉक प्रमुख बृजपाल सिंह 'ज्ञानू' तथा संचालक दुर्गेश मिश्र की ओर से विवाह समारोह की व्यवस्था कराई गई। सोमवार की रात उमरी गांव निवासी दिनेश कुमार की पुत्री रजनी का विवाह प्रदीप कुमार पुत्र हरिनाम, निवासी अचैचापुखा, तालगांव के साथ संपन्न कराया गया। वहीं मंगलवार की रात दूसरे विवाह समारोह में बनार्की गांव निवासी मेवा लाल के पुत्र नीरज कुमार का विवाह कन्दरवल खुर्द निवासी बिन्द्राप्रसाद की पुत्री पूजा के साथ संपन्न हुआ। दोनों जोड़ों को वैवाहिक जीवन की नई शुरुआत के लिए शुभकामनाएं दी गईं। समिति की इस पहल को महोत्सव में शामिल श्रद्धालुओं ने सराहा। धार्मिक आयोजन के साथ जरूरतमंद परिवारों की बेटियों के विवाह की जिम्मेदारी निभाना सामाजिक सेवा और मानवीय संवेदना का संदेश दे रहा है। विवाह समारोह के दौरान उत्साह और उल्लास का माहौल रहा।

गांव-गांव पहुंच रही 1962 की मोबाइल पशु चिकित्सा सेवा

पशुओं के स्वास्थ्य की चिंता

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालकों को बेहतर पशु चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 1962 मोबाइल पशु चिकित्सा सेवा की टीमें गांव-गांव पहुंचकर पशुओं का उपचार करने में जुटी हैं। इसी क्रम में बाराबंकी जिले के सूरतगंज ब्लॉक क्षेत्र के पिपरी महार तथा कसौंजा के पूरनपुर गांव में पशु चिकित्सा शिविर लगाकर पशुओं का टीकाकरण किया गया। साथ ही पशुपालकों को कृमिनाशक दवाइयों का वितरण किया गया और बीमार पशुओं का उपचार भी किया गया। शिविर के दौरान पशु चिकित्सक डॉ. अनूप कुमार वर्मा, एमटीएस कल्याण सिंह तथा पायलट जावेद आलम ने अपनी टीम के साथ पहुंचकर पशुपालकों को सेवाएं प्रदान कीं। टीम ने पशुओं के स्वास्थ्य की जांच कर आवश्यकतानुसार उपचार किया तथा पशुओं को बीमारियों से बचाने के लिए टीकाकरण और कृमिनाशक दवाओं के महत्व के बारे में भी जानकारी दी। इससे ग्रामीण पशुपालकों को अपने पशुओं के उपचार के लिए दूर-दराज के केंद्रों तक जाने की परेशानी से राहत मिली। टीम का प्रयास है कि ग्रामीण क्षेत्र के पशुपालकों को उनके गांव के नजदीक ही पशुओं के इलाज, टीकाकरण और जरूरी दवाओं की सुविधा मिल सके। ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालन अनेक परिवारों की आजीविका का प्रमुख साधन है। ऐसे में पशुओं का स्वस्थ रहना पशुपालकों की आर्थिक स्थिति के लिए भी महत्वपूर्ण है। 1962 मोबाइल पशु चिकित्सा सेवा के माध्यम से शिविर लगाकर उपचार, टीकाकरण और दवाओं का वितरण किए जाने से पशुपालकों को लाभ मिल रहा है।





गांव-गांव पहुंचकर दी जा रही पशु चिकित्सा सुविधा

1962 मोबाइल पशु चिकित्सा सेवा की गाड़ियां ग्रामीण क्षेत्रों में पशुओं के इलाज और देखभाल के लिए लगातार काम कर रही हैं। इन वाहनों के माध्यम से निर्धारित शिविरों के अलावा जरूरत पड़ने पर आकस्मिक पशु चिकित्सा सेवा भी उपलब्ध कराई जा रही है। इससे पशुपालकों को समय पर चिकित्सा सहायता मिल सके और पशुओं की बीमारी को गंभीर होने से पहले नियंत्रित किया जा सके।

डॉ. अनूप कुमार वर्मा ने बताया कि 1962 संस्था की गाड़ी संख्या यूपी 32 ईजी 3516 के माध्यम से पिपरी महार और पूरनपुर के अलावा प्यारेपुर, गोपालपुर, बैशनपुरवा और मोहरी समेत अन्य गांवों में भी पशु चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

कुंभ एक्सप्रेस के जनरल डिब्बे से तस्कर ले जा रहा था कोलकाता, एक गिरफ्तार

वाराणसी जंक्शन पर पकड़े गए लाखों के दुर्लभ कछुए

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । वाराणसी जीआरपी ने सोमवार की रात कुंभ एक्सप्रेस ट्रेन की जनरल बोगी से एक तस्कर से 24 दुर्लभ कछुए बरामद किए हैं। बरामद कछुओं में 6 कछुए बड़े और बाकी छोटे हैं। जिन्हे चार झोलों और बैग में भरकर ले जाया जा रहा था।

जीआरपी ने अमेठी जिले के जगदीशपुर के गांधीनगर निवासी मोनू कंजड़ को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया तस्कर शातिर किस्म का है। थाना प्रभारी रजोल नागर ने बताया - चेकिंग के दौरान पुलिस ने बैगों से कुल 24 कछुए बरामद किए। जिनमें 6 बड़े आकार के और 18 छोटे आकार के कछुए शामिल हैं। पुलिस ने इन बैगों के पास मौजूद



एक संदिग्ध युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की। जिसके बाद उसकी पहचान मोनू कंजड़ के रूप में हुई। आरोपी मोनू मूल रूप से अमेठी जनपद के जगदीशपुर का रहने वाला है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पूछताछ में तस्कर ने कछुओं की तस्करी के पीछे की मुख्य

अमेठी से पश्चिम बंगाल जा रही थी खेप

थाना प्रभारी रजोल नागर ने बताया - शुरुआती पूछताछ में आरोपी मोनू कंजड़ ने कबूल किया है कि वह कछुओं की यह खेप अमेठी से लेकर आ रहा था और इसे पश्चिम बंगाल ले जाने की फिराक में था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इन कछुओं की कीमत लाखों रुपये आंकी जा रही है।

वजहों का भी खुलासा किया। पुलिस के अनुसार, पश्चिम बंगाल और अन्य सीमावर्ती इलाकों में कछुओं के मांस की भारी मांग रहती है।



पकड़े गए तस्कर से पूछताछ करते पुलिस के जवान।

मुखबिर की सूचना पर जनरल डिब्बे में हुई छापेमारी

जीआरपी थाना प्रभारी रजोल नागर ने बताया- उन्हें मुखबिर के जरिए पुख्ता सूचना मिली थी कि हावड़ा की ओर जाने वाली कुम्भ एक्सप्रेस में कछुओं की एक बड़ी खेप ले जाई जा रही है। सूचना मिलते ही तत्काल एक्शन लेते हुए जीआरपी, आरपीएफ और सीआईबी की टीमों को सक्रिय किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए वन विभाग की टीम को भी तुरंत मौके पर बुलाया गया। जिसका नेतृत्व वन दरोगा एके श्रीवास्तव कर रहे थे। जैसे ही ट्रेन वाराणसी स्टेशन पर आकर रुकी। संयुक्त टीम ने आगे की तरफ लगे जनरल डिब्बे में चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस को चार संदिग्ध लावारिस जैसे दिखने वाले बैग मिले। जब इन बैगों को खोलकर देखा गया। बैगों के भीतर बेरहमी से ठंसकर कछुए रखे गए थे।

बरेली में बर्थडे पार्टी में 16 साल के लड़के की हत्या

परिवार ने आरोपी को कमरे में बंद कर पीटा

तमसा संकेत, एजेंसी

बरेली । बरेली में बर्थडे पार्टी में झगड़ा होने पर 16 साल के लड़के की हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान अर्जुन के रूप में हुई। उसकी किसी बात को लेकर एक लड़के(16) से बहस हो गई थी। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया। आरोपी ने चाकू निकालकर अर्जुन का गला रेत दिया। खून से सनी लाश देखकर आरोपी भागने लगा।

चीख-पुकार सुनकर परिवार के लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने पीछा कर आरोपी को पकड़ लिया। एक कमरे में बंद कर उसे जमकर पीटा। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची, लेकिन परिजनों ने घर का मुख्य गेट बंद कर दिया। पुलिस के बार-बार कहने के बावजूद दरवाजा नहीं खोला। इसके बाद पुलिस दीवार फांदकर घर में घुसी। आरोपी को



परिजन से छुड़ाकर थाने ले गई। घटना सोमवार रात करीब 9 बजे जिला मुख्यालय से करीब 70 किलोमीटर दूर शीशगढ़ थाना क्षेत्र की है। गोकुलपुर गांव के रहने वाले चंद्रसेन (58) किसान हैं। परिवार में उनकी पत्नी आरती (55) और चार बेटे थे। सबसे बड़ा बेटा सुरेंद्र (28), उससे छोटा हरदेव (25), तीसरे नंबर पर अर्जुन (16) और सबसे छोटा गोपाल (14) है।

चंद्रसेन ने बताया- बड़े बेटे सुरेंद्र के 3 साल के बच्चे की बर्थडे पार्टी थी। आरोपी उन्हीं के गांव का है और पार्टी में आया था।

गोरखपुर में बीजेपी महिला मोर्चा का प्रदर्शन

गोरखपुर । गोरखपुर में मंगलवार को भाजपा महिला मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने जनाक्रोश रैली निकाली। महिलाओं ने JNU के पूर्व प्रोफेसर और कांग्रेस MP पर लगे उत्पीड़न के आरोपों को सही पाए जाने का दावा किया। विरोध जताते हुए प्रोफेसर के तत्काल इस्तीफे और उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई मांग की।

कोहराम : सगाई की खबर सुन टूट गया मोहित मौत से पहले तीन वीडियो बनाकर लगाए प्रताड़ना के आरोप

सात साल के प्रेम संबंध का दर्दनाक अंत

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। सात साल तक चले प्रेम संबंध के बाद साथ जीने और साथ रहने का सपना देख रहे एक युवक की जिंदगी का दर्दनाक अंत हो गया। प्रेमिका की किसी दूसरे युवक से सगाई होने की खबर मिलने के बाद 25 वर्षीय मोहित वर्मा ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। मंगलवार सुबह प्रेमिका के घर के पीछे पेड़ से उसका शव लटका मिला। मौत से पहले युवक ने तीन वीडियो बनाए, जिनमें उसने प्रेमिका के परिजनों पर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने और धमकियां देने के आरोप लगाए। वीडियो में उसने अपनी मौत के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग भी की। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने मृतक के पिता की तहरीर पर पांच



लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फतेहपुर थाना क्षेत्र के औरंगाबाद गांव का है। मृतक मोहित वर्मा मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के आल्हेमऊ गांव निवासी विमलेश वर्मा का बेटा था। वह फतेहपुर कस्बे में किराये के कमरे में रहकर एक डेंटिस्ट की क्लीनिक पर कंपाउंडर का काम करता था। परिजनों के मुताबिक, मोहित का गांव की ही एक युवती से करीब सात वर्षों से प्रेम संबंध था। युवती का घर उसके गांव से लगभग एक किलोमीटर दूर है। मोहित इसी युवती से शादी करना चाहता था और इसी वजह से उसने अब तक शादी नहीं की थी।

मंगलवार सुबह करीब सात बजे लोगों ने औरंगाबाद गांव में युवती के घर के पीछे एक पेड़ से मोहित का शव लटका देखा। बताया गया कि उसने प्लास्टिक की रस्सी का इस्तेमाल किया था।

सात मिनट के तीन वीडियो में लगाए गंभीर आरोप

मोहित ने अलग-अलग तीन वीडियो बनाए थे, जिनकी कुल अवधि करीब सात मिनट बताई गई है। इन वीडियो को उसने ग्राम प्रधान समेत कई लोगों को भेजा था। वीडियो में मोहित ने अपनी प्रेमिका के परिजनों पर मानसिक रूप से परेशान करने और धमकियां देने का आरोप लगाया। उसने प्रेमिका के पिता कौशल, मां, भाई सतेंद्र, मामा अनूप और मामा के छोटे भाई का नाम लेते हुए अपनी परेशानी बयां की। वीडियो में उसने दावा किया कि उसे दो-तीन बार थाने बुलवाया गया और वहां भी उसे धमकियां दी गईं। उसका आरोप था कि उसे जान से मारने और उसके परिवार को परेशान करने की बातें कही गई थीं। मोहित ने कहा कि इन परिस्थितियों से वह मानसिक रूप से टूट चुका है। उसने अपनी मौत के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की अपील की।

सगाई की खबर ने बढ़ाई बेचैनी, देर रात घर से निकल गया युवक

परिजनों के मुताबिक, सोमवार देर रात मोहित की अपनी प्रेमिका से फोन पर बातचीत हुई थी। इस दौरान युवती ने उसे बताया कि उसके परिवार वाले दोनों की शादी के लिए राजी नहीं हैं और मंगलवार को उसकी सगाई किसी दूसरे युवक से होने वाली है। यह खबर सुनने के बाद मोहित ने फोन काट दिया। इसके बाद वह खुद को एक कमरे में बंद कर बैठ गया। कुछ देर बाद वह अचानक घर से कहीं चला गया। काफी समय बीतने के बाद भी जब मोहित वापस नहीं लौटा तो परिजनों को चिंता हुई। उन्होंने उसके मोबाइल पर फोन किया, लेकिन संपर्क नहीं हो सका। इसके बाद परिवार के लोग और परिचित उसकी तलाश में जुट गए। इसी बीच गांव के प्रधान रमाकांत वर्मा परिजनों के पास पहुंचे और उन्हें मोहित के बनाए वीडियो दिखाए।

ऐतिहासिक कुरुक्षेत्र आश्रम में पेड़ों की कटान से मचा हड़कंप

जामुन और महुआ के विशाल पेड़ कटवाकर बेचने का आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। रामनगर क्षेत्र के ग्राम मझौनी स्थित ऐतिहासिक कुरुक्षेत्र आश्रम में हरे-भरे पेड़ों की कटान का मामला सामने आने से हड़कंप मच गया है। आश्रम परिसर में लगे विशालकाय जामुन और महुआ के पेड़ों को कटवाकर बेचने का आरोप देखरेख की जिम्मेदारी निभाने वाले व्यक्ति पर लगा है। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। अब मामले की जांच के बाद कार्रवाई की बात कही जा रही है।

ग्रामीणों के अनुसार, मझौनी स्थित कुरुक्षेत्र आश्रम को द्वापर युग से जुड़ा धार्मिक स्थल बताया जाता है। यहां श्रद्धालु पूजा-पाठ के लिए पहुंचते हैं। आश्रम परिसर में लगे



पुराने और विशाल पेड़ इसकी हरियाली का अहम हिस्सा हैं। आरोप है कि सोमवार को कथित पुजारी ने परिसर में खड़े जामुन और महुआ के पेड़ों को कटवाकर बेच दिया। स्थानीय लोगों का दावा है कि इससे पहले भी आश्रम में कई पेड़ों की कटान कर उन्हें बेचा जा चुका है। मामले की जानकारी मिलने पर वन विभाग की टीम कटान रुकवाने के लिए मौके पर पहुंची। आरोप है कि इस दौरान कर्मचारियों को धमकाया गया। हालांकि, कथित धमकी की घटना की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। साथ ही, पेड़ों की कटान के लिए संबंधित विभाग से अनुमति ली गई थी या नहीं, इसकी जानकारी भी सामने नहीं आई है। आश्रम परिसर में पेड़ों की कटान को लेकर स्थानीय लोगों ने नाराजगी जताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। उनका कहना है कि पेड़ों की कटान से जुड़े अभिलेखों, अनुमति और बिक्री संबंधी तथ्यों की पड़ताल कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। धार्मिक महत्व वाले इस स्थल पर हरियाली को नुकसान पहुंचने से पर्यावरण को लेकर भी चिंता जताई जा रही है। इस संबंध में वन दरोगा सचिन ने बताया कि मामले की जांच कराई जाएगी और जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

कटेहरी की ग्राम पंचायत में इंटरलॉकिंग और गलियों के निर्माण के नाम पर कई भुगतान

प्रधानों का कार्यकाल खत्म होते ही तेज हुए भुगतान

मांग

बृजेंद्र वीर सिंह



तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों के नाम पर हो रहे खर्च और भुगतान की प्रक्रिया सवालों के घेरे में है। कटेहरी विकासखंड की सारंगपुर ग्राम पंचायत में प्रशासक की तैनाती के बाद इंटरलॉकिंग सड़कों और गलियों के निर्माण के लिए कई भुगतान किए जाने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने भुगतान और निर्माण कार्यों की जांच की मांग उठाई है। कुछ शिकायतकर्ताओं ने मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) से निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

सारंगपुर में ग्राम पंचायत सचिव मांडवी उपाध्याय प्रशासक के रूप में तैनात हैं। ग्रामीणों का कहना है कि उनके कार्यकाल में विकास कार्यों की फाइलों पर तेजी से कार्रवाई हुई और भुगतान भी किए गए। उनका दावा है कि पिछले पांच वर्षों में निर्वाचित प्रधानों के कार्यकाल के दौरान इस स्तर पर इंटरलॉकिंग और गलियों का निर्माण नहीं हुआ था। इस प्रक्रिया में सहायक विकास अधिकारी पंचायत दुर्गा प्रसाद पांडेय और खंड विकास अधिकारी जगन्नाथ वर्मा के अनुमोदन व हस्ताक्षर भी शामिल होने की बात कही जा रही है। भुगतान की प्रक्रिया, कार्यों की स्वीकृति और निर्माण की गुणवत्ता की जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। मामले में शिकायतकर्ताओं ने सीडीओ से भुगतान संबंधी अभिलेखों, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और खर्च की गई धनराशि की जांच कराने की मांग की है। जांच में यह स्पष्ट हो सकेगा कि भुगतान स्वीकृत कार्यों के अनुरूप हुए या नहीं और मौके पर निर्माण की स्थिति क्या है। फिलहाल, संबंधित अधिकारियों का पक्ष और जांच के निष्कर्ष सामने आने बाकी हैं।

अलग-अलग कार्यों के नाम पर हुए भुगतान

ग्रामीणों के अनुसार, होलिका दहन स्थल से हनुमान मंदिर तक इंटरलॉकिंग सड़क बनाने के लिए कुंज इंटरप्राइजेज को 1.65 लाख रुपये का भुगतान किया गया। रमेश के घर की ओर जाने वाले रास्ते के लिए अवध कंस्ट्रक्शन को दो किस्तों में 74,545 और 62,611 रुपये दिए गए। इसी तरह जनार्दन के घर तक रास्ता बनाने के नाम पर 74,870 रुपये और पिंटू के घर की गली के निर्माण के लिए गिरजा एंटरप्राइजेज को 1,48,791 रुपये का भुगतान किए जाने की जानकारी दी गई है। ग्रामीणों का दावा है कि इन कार्यों सहित विकास मद में करीब 10 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। हालांकि, इन भुगतानों और निर्माण कार्यों की वास्तविक स्थिति की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

पंचायत खाते में शेष राशि पर भी सवाल

ग्रामीणों के मुताबिक, विकास कार्यों पर खर्च के बाद ग्राम पंचायत के खाते में उपलब्ध राशि काफी कम रह गई है। जिले की अन्य ग्राम पंचायतों में भी विकास मद की धनराशि खर्च किए जाने की चर्चा है। हालांकि, जिले की सभी पंचायतों के खातों में शेष राशि की स्थिति की पुष्टि करने वाले आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं।

सुषमा हत्याकांड में मां-बेटे गिरफ्तार, खून लगी लकड़ी और कपड़े बने जांच का आधार

भीटी के बनखोदवा गांव में हुई थी वारदात, रात डेढ़ बजे बेटे और सुबह मां को पकड़ा

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। भीटी थाना क्षेत्र के बनखोदवा गांव में सुषमा उर्फ गुड़िया की हत्या के मामले में पुलिस ने नामजद मां-बेटे को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से दो कीपैड मोबाइल फोन बरामद किए हैं। घटनास्थल से खून लगी लकड़ी, मिट्टी के नमूने और अन्य साक्ष्य भी जुटाए गए हैं। पुलिस अब बरामद सामग्री के आधार पर मामले की विवेचना आगे बढ़ा रही है।

पुलिस के मुताबिक, 12 अक्टूबर को बनखोदवा गांव में सुषमा उर्फ गुड़िया की लकड़ी की थुन्ही से प्रहार कर हत्या कर दी गई थी। वारदात के बाद मृतका के पति और बच्चों को जान से मारने की धमकी देने का आरोप भी लगाया गया। शिकायत के आधार पर भीटी थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। इसके बाद पुलिस ने नामजद आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस ने 13 अक्टूबर की रात करीब 1:30 बजे गांव निवासी अजय निषाद (24) को गिरफ्तार किया। इसके बाद मंगलवार सुबह करीब 9:30 बजे मुखबिर से मिली सूचना पर महिला पुलिसकर्मी की मदद से अनीता निषाद (40) को भीटी कस्बे से पकड़ लिया गया। अनीता, अजय की मां है। दोनों इस मामले में नामजद हैं।पुलिस ने घटनास्थल से खून लगी सूखी लकड़ी और उसका एक टुकड़ा बरामद किया है। इसके अलावा खून लगी मिट्टी, सादी मिट्टी, ब्लड स्वैब और सैंपल स्वैब भी कब्जे में लिए गए हैं। पुलिस के अनुसार, अजय के पास से घटना के समय पहने गए नेकर और टी-शर्ट भी बरामद हुए हैं। दो कीपैड मोबाइल फोन भी बरामदगी में शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि बरामद सामग्री और अन्य साक्ष्यों के आधार पर विवेचना की जा रही है। मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद अब जांच के दौरान जुटाए गए साक्ष्यों की अहम भूमिका रहेगी।

फास्ट न्यूज

तमसा पुल के पास सड़क में गहरा गड्ढा

अंबेडकरनगर। सम्मनपुर क्षेत्र में सुल्तानगढ़ के पास तमसा नदी पर बने पुल के समीप सड़क पर बना गहरा गड्ढा दुर्घटना का कारण बन सकता है। बारिश के चलते गड्ढे के आसपास मिट्टी का कटाव बढ़ रहा है। सड़क का किनारा कमजोर होने से वाहन चालकों के लिए खतरा बढ़ गया है। इसके बावजूद मौके पर मरम्मत और सुरक्षा इंतजाम की जरूरत बनी हुई है। इस मार्ग से दिन-रात छोटे-बड़े वाहनों का आवागमन होता है।

विनोद तावड़े से विवेक मौर्य की मुलाकात

अंबेडकरनगर। भाजपा के जिला उपाध्यक्ष एवं नारायण फाउंडेशन के संरक्षक विवेक मौर्य ने उत्तर प्रदेश भाजपा के प्रभारी विनोद तावड़े से मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। विवेक मौर्य ने इस मुलाकात को स्नेहिल भेंट बताते हुए संवाद को राजनीतिक और सामाजिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। विवेक मौर्य ने कहा कि वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात के दौरान विभिन्न विषयों को समझने और अपने विचार साझा करने का अवसर मिलता है। संवाद से अनुभवों का आदान-प्रदान होता है और संगठन से जुड़े विषयों पर नई दृष्टि विकसित करने में मदद मिलती है।

योगी पर सवाल उठाने वालों को स्वामी ओमप्रकाश की दो टूक

अंबेडकरनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर टिप्पणी करने वालों को मिशन योगी अगेन सीएम उत्तर प्रदेश के प्रदेश संयोजक और पूर्व वायुसेना अधिकारी स्वामी ओमप्रकाश ने दो टूक जवाब दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पर सवाल उठाने से पहले आलोचकों को अपने आचरण और भूमिका का भी आकलन करना चाहिए।

झाड़-फूंक का झांसा देकर महिला को ठगा, बाबा गिरफ्तार

5,139 रुपये और वारदात में इस्तेमाल बाइक बरामद

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। झाड़-फूंक के बहाने महिला को झांसे में लेकर उसका कान का झुमका, नकदी और साड़ी लेकर फरार होने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। मंगलवार को कटारिया बाग के पास पकड़े गए आरोपी की पहचान नदीम अहमद उर्फ बाबा के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से 5,139 रुपये नकद, एक साड़ी और वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के अनुसार, सोमवार को आरोपी राबीबहाउद्दीनपुर गांव में एक महिला के पास झाड़-फूंक करने के बहाने पहुंचा था। आरोप है कि इसी दौरान वह महिला का कान का झुमका, एक हजार रुपये नकद और साड़ी लेकर फरार हो गया। महिला की शिकायत पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की।

विवेचना के दौरान पुलिस को आरोपी के बारे में जानकारी मिली। उसकी पहचान वाजिदपुर पश्चिम, जलालपुर निवासी नदीम अहमद उर्फ बाबा के रूप में हुई। इसके बाद पुलिस टीम ने घेराबंदी कर मंगलवार को उसे कटारिया बाग के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके पास से नकदी, साड़ी और मोटरसाइकिल बरामद की। पुलिस के मुताबिक, आरोपी के खिलाफ हंसवर और टांडा में चोरी समेत अन्य धाराओं में तीन मामले पहले से दर्ज हैं। पुलिस मामले में आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है।

महिला सुरक्षा के लिए जागरूकता जरूरी मिशन शक्ति रैली से दिया अधिकारों का संदेश

डीएम ईशा प्रिया और एसपी प्राची सिंह के नेतृत्व में निकली पैदल रैली

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। शारदीय नवरात्र के अवसर पर सोमवार रात अकबरपुर नगर में मिशन शक्ति फेज-6 के तहत संयुक्त पैदल रैली निकाली गई। जिलाधिकारी ईशा प्रिया और पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह के नेतृत्व में निकली रैली के जरिए महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन का संदेश दिया गया। अभियान का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और लैंगिक समानता को बढ़ावा देना रहा। जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने कहा कि महिलाओं और बालिकाओं का सम्मान, सुरक्षा और स्वावलंबन समाज के विकास के लिए जरूरी है। उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना चाहिए। महिला सशक्तीकरण के लिए प्रशासन के साथ समाज की भागीदारी भी महत्वपूर्ण है। जागरूकता से महिलाएं अपने अधिकारों को बेहतर ढंग से समझ सकेंगी और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ेंगी। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने कहा कि महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा पुलिस की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्हें किसी भी समस्या या उत्पीड़न की स्थिति में चुप रहने के बजाय पुलिस से मदद लेनी चाहिए। महिला सुरक्षा से जुड़े अभियान का उद्देश्य लोगों को जागरूक करना और महिलाओं के लिए सुरक्षित वातावरण तैयार करना है। रैली के माध्यम से महिला सशक्तीकरण, समान अवसर और महिलाओं के अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया गया। मिशन शक्ति फेज-6 के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में महिला सुरक्षा को लेकर सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर दिया गया।

9.43 करोड़ से बने ड्रग वेयरहाउस का एमएलसी हरिओम पांडेय ने किया निरीक्षण

दवाओं के भंडारण और आपूर्ति की व्यवस्था का लिया जायजा

तमसा संकेत, संवाददाता



- 9.43 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हुआ वेयरहाउस
- मुख्यमंत्री के प्रति जताया आभार

अंबेडकरनगर। भाजपा के सेवा संकल्प अभियान के तहत विधान परिषद सदस्य डॉ. हरिओम पांडेय ने तिवारीपुर में नवनिर्मित ड्रग वेयरहाउस का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने दवाओं के सुरक्षित भंडारण और सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों तक उनकी आपूर्ति से जुड़ी व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

तिवारीपुर में 9.43 करोड़ रुपये की लागत से ड्रग वेयरहाउस की व्यवस्था की गई है। इसका उद्देश्य जिले में दवाओं के सुरक्षित भंडारण और स्वास्थ्य संस्थानों तक उनकी समयबद्ध आपूर्ति को बेहतर बनाना है। इस सुविधा से जिले के नौ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी), 29 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी), जिला अस्पताल और राजकीय मेडिकल कॉलेज में दवाओं की उपलब्धता व आपूर्ति व्यवस्था को लाभ मिलने की उम्मीद है। डॉ. हरिओम पांडेय ने जिले की स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए ड्रग वेयरहाउस की व्यवस्था उपलब्ध कराने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार जताया। उन्होंने इसे जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

फाइनल में विश्वविद्यालय आवासीय परिसर को 2-1 से हराया

निर्णायक सेट में बाजी मार देव इंद्रावती कॉलेज बना वॉलीबॉल चैंपियन

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। परुइया आश्रम स्थित बाबा बरुआ दास पीजी कॉलेज में आयोजित दो दिवसीय अंतरमहाविद्यालयीय पुरुष वॉलीबॉल प्रतियोगिता का खिताब देव इंद्रावती पीजी कॉलेज ने जीत लिया। फाइनल में टीम ने डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के आवासीय परिसर को कड़े मुकाबले में 2-1 से हराया। विजेता टीम को स्वर्ण पदक और ट्रॉफी दी गई, जबकि विश्वविद्यालय परिसर की टीम उपविजेता रही। विश्वविद्यालय के प्रायोजन में आयोजित प्रतियोगिता के दूसरे दिन दो सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले खेले गए। क्षेत्राधिकारी जलालपुर अजय कुमार ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर सेमीफाइनल मुकाबलों का शुभारंभ किया। पहले सेमीफाइनल में देव इंद्रावती पीजी कॉलेज ने बीएनकेबी पीजी कॉलेज को हराकर फाइनल में जगह बनाई। दूसरे सेमीफाइनल में विश्वविद्यालय आवासीय परिसर की टीम ने केएनआई सुल्तानपुर को पराजित किया।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि भाजपा उत्तर प्रदेश संकुल के सहसंयोजक डॉ. मिथिलेश त्रिपाठी, विशिष्ट अतिथि शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के प्रत्याशी अजय कुमार सिंह, महाविद्यालय के प्रबंध निदेशक महंत देवेंद्र दास और प्राचार्य प्रो. परेश कुमार पाण्डेय ने विजेता-उपविजेता टीमों तथा निर्णायक मंडल को ट्रॉफी और मेडल देकर सम्मानित किया।

डॉ. मिथिलेश त्रिपाठी ने कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और सकारात्मक ऊर्जा विकसित करते हैं। जीत-हार से अधिक महत्वपूर्ण खेल भावना है। महंत देवेंद्र दास ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। प्राचार्य प्रो. परेश कुमार पाण्डेय ने निरंतर अभ्यास और खेल के उच्च आदर्शों को सफलता का आधार बताया।

उपप्राचार्य प्रो. पवन कुमार गुप्त ने खेलों को व्यक्तित्व विकास का माध्यम बताया। आयोजन सचिव डॉ. कुलदीप सिंह ने प्रतियोगिता का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया और सहयोग के लिए सभी के प्रति आभार जताया।

तीन सेट में निकला विजेता

फाइनल में देव इंद्रावती पीजी कॉलेज के कप्तान भानु प्रकाश और विश्वविद्यालय आवासीय परिसर के कप्तान धीरज यादव की टीमों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। देव इंद्रावती ने पहला सेट 25-22 से जीता। दूसरे सेट में विश्वविद्यालय परिसर ने 25-20 से मुकाबला बराबर कर दिया। निर्णायक सेट में देव इंद्रावती ने 15-12 से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम कर लिया।

बसपा ही भाजपा को सत्ता से बेदखल कर सकती है : दिलीप कुमार विमल

विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता बैठक में बोले मंडल मुख्य जोन प्रभारी

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। बहुजन समाज पार्टी के अयोध्या मंडल मुख्य जोन प्रभारी दिलीप कुमार विमल ने केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार पर संविधान की भावना के अनुरूप काम नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि संविधान की मजबूती और उसके पूर्ण क्रियान्वयन के लिए बसपा स्थापना काल से संघर्ष कर रही है। भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए समाज के सभी वर्गों को एकजुट होना होगा। उन्होंने दावा किया कि बसपा ही भाजपा को सत्ता से बेदखल कर सकती है।

मंगलवार को अकबरपुर विधानसभा क्षेत्र के राधे कृष्णा मैरिज लॉन में आयोजित बसपा की विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता बैठक को संबोधित करते हुए विमल ने ये बातें कहीं। दिलीप कुमार विमल ने कहा कि छात्रों, नौजवानों, किसानों, कर्मचारियों, बेरोजगारों और महिलाओं के हितों की रक्षा के लिए बसपा काम करती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पार्टी की नीतियों और विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। बैठक की अध्यक्षता कर रहे अकबरपुर विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी प्रत्याशी मनोज वर्मा ने कहा कि क्षेत्र का चौमुखी विकास और कार्यकर्ताओं का सम्मान उनके जीवन का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि यदि उन्हें अकबरपुर विधानसभा क्षेत्र से अवसर मिला तो वह समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए निस्वार्थ भाव से काम करेंगे। बैठक में बसपा मंडल प्रभारी अरविंद गौतम, जिलाध्यक्ष सुनील सावंत, राधेश्याम राजभर, अच्छे लाल, राजेंद्र प्रसाद, जयप्रकाश सैनी, आज्ञाराम, राहुल पाल, विनायक निषाद, राम लखन विश्वकर्मा, आफताब आलम, रामजस, अंबेश, अंजुला देवी बौद्ध, रघुराज, संदेश भारती, अनुराग भारती, मायाराम राजभर और राजेश राजभर सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जलालपुर की रामलीला में गूंजे जय श्रीराम के जयकारे

पूजन-अर्चन के साथ शुरू हुआ मंचन

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। नवरात्र के दूसरे दिन जलालपुर के रामलीला मैदान में रामलीला का शुभारंभ पारंपरिक पूजन-अर्चन और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। श्री रामलीला सेवा समिति की ओर से आयोजित कार्यक्रम में रावण, कुंभकरण और विभीषण की तपस्या, ब्रह्मा से वरदान मिलने, रावण के अत्याचारों और राजा दशरथ के पुत्रेष्टि यज्ञ के प्रसंगों का मंचन किया गया। दृश्यों के दौरान मैदान में मौजूद दर्शकों ने जय श्रीराम के जयकारे लगाए।

रामलीला के पहले दृश्य में रावण, कुंभकरण और विभीषण की घोर तपस्या दिखाई गई। प्रसन्न होकर ब्रह्मा ने तीनों को वरदान दिया। रावण को शक्ति, कुंभकरण को निद्रा और विभीषण को भक्ति व धर्म के मार्ग से जुड़ा वरदान मिलने का प्रसंग प्रस्तुत किया गया। इसके बाद रावण के अहंकार और अत्याचारों का मंचन हुआ। रावण द्वारा ऋषि-मुनियों को प्रताड़ित करने और तीनों लोकों में आतंक फैलाने के दृश्य दिखाए गए। रामलीला के अगले दृश्य में पुत्र प्राप्ति के लिए राजा दशरथ द्वारा यज्ञ कराने का प्रसंग प्रस्तुत किया गया। यज्ञ से प्रकट दिव्य पुरुष ने दशरथ को खीर का पात्र दिया। दशरथ ने उसे अपनी तीनों रानियों में बांट दिया। कलाकारों ने इन प्रसंगों का मंचन किया, जिसकी दर्शकों ने सराहना की।

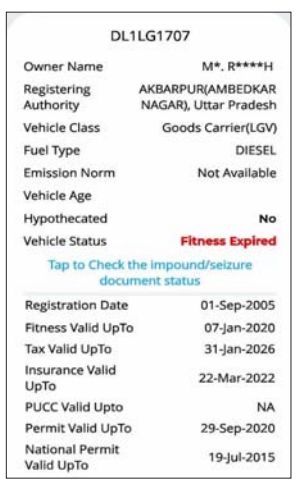
दावा : ज्वलनशील सिलेंडरों की ढुलाई में सुरक्षा मानकों के पालन पर मांगा जा रहा जवाब

फिटनेस, बीमा और प्रदूषण प्रमाणपत्र खत्म

- सड़कों पर दौड़ रहीं गैस एजेंसी की गाड़ियां
- बाबा गैस सर्विस के वाहनों को लेकर उठे सवाल

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले में बाबा गैस सर्विस की गाड़ियों के सड़क पर संचालन को लेकर परिवहन नियमों के पालन पर सवाल उठे हैं। आरोप है कि कुछ वाहन फिटनेस, बीमा और प्रदूषण प्रमाणपत्र के बिना ही सड़कों पर चल रहे हैं। इन वाहनों से ज्वलनशील गैस सिलेंडरों की ढुलाई किए जाने के कारण मामला सुरक्षा के लिहाज से भी अहम है। हालांकि, इन आरोपों पर संबंधित विभाग की कार्रवाई और मौजूदा दस्तावेजों की स्वतंत्र पुष्टि जरूरी है। परिवहन विभाग की प्रवर्तन कार्रवाई पर भी सवाल हैं। बताया गया है कि एआरटीओ ने कुछ महीने पहले ऐसे वाहन को पकड़े जाने की बात कही थी। ऐसे में यह स्पष्ट होना जरूरी है कि संबंधित वाहन दोबारा सड़क पर कैसे चल रहा है और उसके दस्तावेजों की क्या स्थिति है। गैस सिलेंडरों की ढुलाई करने वाले वाहनों का फिटनेस, बीमा और अन्य जरूरी दस्तावेजों के लिहाज से नियमानुसार होना महत्वपूर्ण है। ऐसे वाहनों के संचालन में लापरवाही दुर्घटना की स्थिति में जोखिम बढ़ा सकती है। संबंधित वाहन के दस्तावेजों की जांच और नियमों के उल्लंघन की पुष्टि के बाद ही कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल, मामले में परिवहन विभाग और यातायात पुलिस की ओर से आधिकारिक पक्ष उपलब्ध नहीं है। आरोपों की पुष्टि और विभागीय कार्रवाई की जानकारी सामने आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।



DL1LG1707	
Owner Name	M*. R****H
Registering Authority	AKBARPUR(AMBEDKAR NAGAR), Uttar Pradesh
Vehicle Class	Goods Carrier(LGV)
Fuel Type	DIESEL
Emission Norm	Not Available
Vehicle Age	
Hypothecated	No
Vehicle Status	Fitness Expired
Tap to Check the impound/seizure document status	
Registration Date	01-Sep-2005
Fitness Valid UpTo	07-Jan-2020
Tax Valid UpTo	31-Jan-2026
Insurance Valid UpTo	22-Mar-2022
PUCC Valid Upto	NA
Permit Valid UpTo	29-Sep-2020
National Permit Valid UpTo	19-Jul-2015

वर्षों से फिटनेस और बीमा समाप्त होने का दावा

उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, एक वाहन का पंजीकरण 1 सितंबर 2005 को हुआ था। उसका फिटनेस प्रमाणपत्र 7 जनवरी 2020 से और बीमा 22 मार्च 2022 से समाप्त बताया गया है। वाहन का प्रदूषण प्रमाणपत्र भी वैध नहीं होने का दावा किया गया है। रोड टैक्स जमा किए बिना वाहन चलाए जाने का आरोप भी लगाया गया है।

- आरोप है कि ये वाहन यातायात पुलिसकर्मियों के सामने से गुजरते हैं, लेकिन इनके खिलाफ कार्रवाई नहीं होती। बिना हेलमेट और सीट बेल्ट चलने वालों पर कार्रवाई के बीच कथित तौर पर नियमों का उल्लंघन करने वाले इन वाहनों को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं।

इंदईपुर पुलिया दो महीने बंद, 10 से बढ़कर 14 किमी होगा सफर

82 लाख रुपये से बनेगी नई पुलिया

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। बसखारी-जहांगीरगंज-राजेसुल्तानपुर मार्ग पर सफर करने वालों को दो महीने तक बदले हुए रास्ते से गुजरना होगा। इंदईपुर बाजार के पास नहर पर बनी क्षतिग्रस्त पुलिया के स्थान पर नई पुलिया का निर्माण कराया जाएगा। इसके चलते 15 अक्टूबर से 15 दिसंबर तक इस मार्ग पर यातायात बंद रहेगा। लोक निर्माण विभाग ने वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग तय किया है। लोक निर्माण विभाग करीब 82 लाख रुपये की लागत से नई बॉक्स सेल कलवर्ट और पहुंच मार्ग का निर्माण कराएगा। निर्माण के दौरान बसखारी से रामनगर जाने और वहां से लौटने वाले वाहनों को कटोखर और आरोपुर होकर गुजरना होगा। वर्तमान में बसखारी से रामनगर के बीच दूरी करीब 10 किलोमीटर है। डायवर्जन लागू होने पर यह बढ़कर लगभग 14 किलोमीटर हो जाएगी। इससे यात्रियों को करीब चार किलोमीटर अतिरिक्त सफर करना पड़ेगा।

रास्ता बदलने से नौकरीपेशा लोगों, स्कूली विद्यार्थियों, मरीजों और व्यापारियों को अतिरिक्त दूरी तय करनी होगी। इंदईपुर बाजार आने-जाने वाले लोगों को भी इसका सामना करना पड़ेगा। विभाग की ओर से डायवर्जन स्थल और प्रमुख मोड़ों पर दिशा-सूचक बोर्ड व चेतावनी संकेतक लगाए जाएंगे, ताकि वाहन चालकों को वैकल्पिक रास्ते की जानकारी मिल सके।

सम्पादकीय

एक जरूरी इनकार



सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने राहुल गांधी एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात करने में असमर्थता जताकर बिल्कुल सही कदम उठाया। जिस मामले की सुप्रीम कोर्ट पहले से ही सुनवाई कर रहा हो, उसे लेकर किसी दल के नेताओं को मुख्य न्यायाधीश से संपर्क एवं संवाद करने का न तो कोई औचित्य है और न ही ऐसी कोई परंपरा रही है। राहुल गांधी शुद्ध संकीर्ण राजनीतिक कारणों से एक नई, किंतु खराब परंपरा स्थापित करने की जो कोशिश कर रहे थे, उसे खारिज किया जाना आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य था। यह अच्छा हुआ कि सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने राहुल गांधी के समक्ष उन कारणों को दो टूक ढंग से स्पष्ट किया कि वे उनसे मुलाकात क्यों नहीं कर सकते? अच्छा हो कि राहुल गांधी को यह समझ आए कि वे हर मामले में मनमानी नहीं चला सकते। उन्हें सुनिश्चित लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के साथ ही आगे बढ़ना होगा। इसलिए और भी, क्योंकि वे गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार करने के आदी हो चुके हैं। कुछ दिनों पहले उन्होंने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण अर्थात एसआईआर के मुद्दे पर ही राष्ट्रपति से मुलाकात करने के बाद इतना अधिक बेतुका बयान दिया कि राष्ट्रपति भवन को उसका तुरंत खंडन करना पड़ा।

इस खंडन ने राहुल गांधी को एक अगंभीर एवं अविश्वसनीय नेता के तौर पर ही रेखांकित किया। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि एक बार वे सुप्रीम कोर्ट के निर्णय पर भी गलत बयानी कर चुके हैं। इसके लिए उन्हें माफी भी मांगनी पड़ी थी, लेकिन उनका रवैया सुधरा नहीं। एसआईआर के मुद्दे को अनावश्यक तूल दे रहे राहुल गांधी ने इस तथ्य की अनदेखी ही कि इस मुद्दे की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश की पीठ की ओर से ही की जा रही है। यदि उन्हें इस मामले में कुछ और कहना-बताना था तो उसका तरीका याचिका ही हो सकता था। आखिरकार उन्हें इसी तरीके का सहारा लेना पड़ा।

वैसे तो राहुल गांधी एक लंबे अर्से से एसआईआर को वोट चोरी बताने में लगे हुए हैं, लेकिन जबसे यह समाचार आया कि एसआईआर के कुछ पहलुओं पर दोनों चुनाव आयुक्त मुख्य चुनाव आयुक्त से असहमत थे, तबसे राहुल गांधी नए सिरे से आक्रामक हो गए। हालांकि इस खबर के बाद तीनों चुनाव आयुक्तों ने यह बयान जारी करके स्पष्ट किया कि जो भी असहमतियां थीं, उनका समाधान कर लिया गया था। कायदे से इसके साथ ही इस प्रसंग का पटाक्षेप हो जाना चाहिए था, लेकिन कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने सड़कों पर उतरना आवश्यक समझा। बहती गंगा में हाथ धोने के लिए कॉकरोच जनता पार्टी के लोग भी मैदान में आ गए। राहुल गांधी और सीजेपी के नेता कुछ भी दावा करें, एसआईआर को लेकर उनका शोरगुल एक शिगूफे से अधिक कुछ नहीं।

विरोधाभासी चरित्र से अमेरिका पर भरोसा कठघरे में





> किसी महाशक्ति के दबाव में आकर अपने आर्थिक हितों की अनदेखी करना न तो व्यावहारिक होगा और न ही दूरदर्शितापूर्ण। यह भी समझना जरूरी है कि रूस से तेल खरीदने का समर्थन करने का अर्थ यूक्रेन में जारी युद्ध का समर्थन करना नहीं है।

दुनिया की महाशक्ति होने का अर्थ यह नहीं कि कोई राष्ट्र अपनी ताकत के मद में चूर होकर पूरी दुनिया को अपनी उंगलियों पर नचाने लगे। शक्ति का वास्तविक मूल्य उसकी जिम्मेदारी, न्यायप्रियता और विश्वसनीयता से निर्धारित होता है, न कि इस बात से कि वह कितने देशों को धमका सकता है। दुर्भाग्य से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों में शक्ति के साथ-साथ मनमानी का जो प्रदर्शन दिखाई दे रहा है, उसने अंतरराष्ट्रीय राजनीति के सामने एक गंभीर प्रश्न खड़ा कर दिया है-क्या विश्व व्यवस्था नियमों और सिद्धांतों से चलेगी अथवा शक्तिशाली राष्ट्रों की, मनमानी, सुविधाओं और स्वार्थों से? रूस से डीजल खरीदने के ट्रंप के ताजा फैसले ने इस प्रश्न को और प्रासंगिक बना दिया है। 9 अक्टूबर 2026 को ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बातचीत के बाद घोषणा की कि रूस अमेरिकी और वैश्विक बाजारों के लिए तत्काल तीन लाख टन से अधिक डीजल उपलब्ध कराएगा। इसके बाद नवंबर में पांच लाख टन और आगे दस लाख टन की आपूर्ति की भी घोषणा की गई। अमेरिकी प्रशासन ने रूसी डीजल के आयात पर प्रतिबंधों में अस्थायी छूट भी दी। इस घटनाक्रम की पुष्टि अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसियों ने की है। विडंबना देखिए कि यही अमेरिका कुछ समय पहले रूस से तेल खरीदने वाले देशों को कठघरे में खड़ा कर रहा था। भारत पर रूसी तेल खरीदने के कारण 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने का निर्णय लिया गया था और रूस के ऊर्जा व्यापार से जुड़े देशों पर और कठोर शुल्क लगाने की व्यवस्था भी सामने आई। अमेरिकी कांग्रेस द्वारा पारित लिंडसे ओ. ग्राहम सैनसिटोनिंग रसिया एण्ड ईरान ऐक्ट ऑफ 2026 ने रूस से ऊर्जा खरीदने वाले देशों पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने की संभावनाओं को कानूनी आधार दिया। अब वही अमेरिका अपनी घरेलू ऊर्जा जरूरतों और बढ़ती कीमतों के दबाव में रूसी डीजल के लिए रास्ता खोल रहा है। प्रश्न यह नहीं है कि अमेरिका को अपनी जनता के हित में ईंधन खरीदना चाहिए या नहीं। प्रत्येक संप्रभु राष्ट्र को अपनी ऊर्जा जरूरतें पूरी करने का अधिकार है। प्रश्न यह है कि जिस निर्णय को भारत जैसे देशों के लिए नैतिक अपराध और रूस की युद्ध मशीनरी को आर्थिक सहायता देने वाला कदम बताया गया, वही निर्णय अमेरिका के लिए राष्ट्रीय आवश्यकता कैसे बन गया? क्या नैतिकता की परिभाषा राष्ट्र की सीमा बदलते ही बदल जाती है? क्या अंतरराष्ट्रीय नियम केवल कमजोर और कम शक्तिशाली देशों के लिए हैं? अमेरिका की इस नीति का सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि वह रूस से होने वाली ऊर्जा खरीद को यूक्रेन युद्ध के वित्तपोषण से जोड़कर देखता रहा है, लेकिन जब अपने देश में डीजल की कीमतें बढ़ीं और किसानों, ट्रक चालकों तथा उपभोक्ताओं पर आर्थिक दबाव बढ़ा, तो उसी रूस से आपूर्ति लेने का निर्णय कर लिया। रॉयटर्स के अनुसार, अमेरिका में डीजल की कीमत 8 अक्टूबर को लगभग 6.28 डॉलर प्रति गैलन तक पहुंच गई थी। तीन नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले बढ़ती कीमतें ट्रंप प्रशासन के लिए राजनीतिक चुनौती बन गई हैं। यहां अमेरिकी राष्ट्रपति की प्राथमिकताओं का अंतर साफ दिखाई देता है। जब भारत अपनी अर्थव्यवस्था, करोड़ों उपभोक्ताओं और ऊर्जा सुरक्षा को ध्यान में रखकर रूसी तेल खरीदता है, तो उसे अंतरराष्ट्रीय नैतिकता का पाठ पढ़ाया जाता है। लेकिन जब अमेरिकी मतदाता महंगे ईंधन से परेशान होते हैं, तब वही नैतिकता पीछे छूट जाती है और राष्ट्रीय हित सर्वोपरि हो जाता है। यह कैसी नीति है, जिसमें दूसरों के लिए सिद्धांत और अपने लिए सुविधानुसार अपवाद निर्धारित किए जाते हैं? दूसरों को उपदेश देना आसान है, लेकिन अपने आचरण को उन्हीं कसौटियों पर कसना कठिन। हिंदी की एक लोकोक्ति है-'पर उपदेश कुशल बहुतेरे।' अमेरिका की मौजूदा नीति पर यह कहावत सटीक बैठती है। जो देश पूरी दुनिया को नियमों के पालन की सीख देता है, उसे सबसे पहले अपने व्यवहार में निरंतरता और पारदर्शिता दिखानी चाहिए। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में दोहरे मापदंड केवल विरोधियों को मजबूत नहीं करते, बल्कि मित्र देशों के विश्वास को भी कमजोर कर देते हैं। भारत के संदर्भ में यह सवाल और महत्वपूर्ण हो जाता है। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयातित पेट्रोलियम पर निर्भर रहकर पूरा करता है। ऐसे में तेल की खरीद केवल व्यापारिक सौदा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था, महंगाई, परिवहन, कृषि, उद्योग और आम नागरिक के जीवन से जुड़ा प्रश्न है। वैश्विक बाजार में तेल महंगा होता है तो उसका असर पेट्रोल-डीजल की कीमतों से लेकर खाद्य पदार्थों और माल ढुलाई तक दिखाई देता है। इसलिए भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा का अर्थ है कि उसे उपलब्धता, कीमत, आपूर्ति की स्थिरता और राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर निर्णय लेने की स्वतंत्रता मिले। इसी प्रकार ऊर्जा व्यापार पर प्रतिबंध लगाने की आलोचना का अर्थ किसी देश की सैन्य कार्रवाई का बचाव करना भी नहीं है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में इन दोनों प्रश्नों को अलग-अलग समझना चाहिए। युद्ध को समाप्त करने, संप्रभुता की रक्षा करने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयास आवश्यक हैं, लेकिन आर्थिक प्रतिबंधों की प्रभावशीलता और उनके मानदंडों पर भी निष्पक्ष विचार होना चाहिए। यदि किसी देश की ऊर्जा खरीद को युद्ध के वित्तपोषण से जोड़कर देखा जाता है, तो यही कसौटी सभी देशों पर समान रूप से लागू होनी चाहिए। केवल विरोधी या कमजोर देश पर प्रतिबंध लगाना और अपने संकट के समय उसी स्रोत से आपूर्ति लेना उस नैतिक आधार को कमजोर करता है, जिस पर प्रतिबंधों को उचित ठहराया जाता है। ट्रंप के फैसले ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की की नाराजगी भी बढ़ाई है। जेलेंस्की ने इस कदम को रूस के लिए लाभकारी बताते हुए चिंता जताई कि इससे पुतिन को युद्ध जारी रखने के लिए आर्थिक संसाधन मिल सकते हैं। अमेरिकी सांसदों में भी इस निर्णय की आलोचना हुई है। ट्रंप का इसके बाद जेलेंस्की को यूक्रेन का नेतृत्व बदलने की सलाह देना मामले को और गंभीर बनाता है। किसी संप्रभु देश का राष्ट्रपति कौन होगा, यह निर्णय उस देश के नागरिकों और उसकी संवैधानिक व्यवस्था का विषय है। यदि अमेरिका स्वयं को लोकतंत्र और स्वतंत्रता का समर्थक बताता है, तो उसे दूसरे देश की राजनीतिक संप्रभुता का सम्मान भी करना चाहिए।

-ललित गर्ग

एक सामान्य भारतीय... — अशोक भाटिया

त्योहारी सीज़न में महंगाई का झटका: आम आदमी की थाली से गायब होती राहत



भारत में त्योहारी सीज़न हमारे सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक उल्लास का प्रतीक है। शरद ऋतु की शुरुआत के साथ ही जब देश दुर्गा पूजा, दशहरा और दिवाली जैसे त्योहारों की तैयारियों में जुट जाता है, तब बाज़ारों में रौनक और उपभोक्ता माँग चरम पर होती है। लेकिन इस वर्ष का त्योहारी सीज़न आम आदमी के लिए खुशियों के साथ-साथ गहरा आर्थिक तनाव लेकर आया है। मध्यम और निम्न-मध्यम वर्गीय परिवारों की थाली से राहत गायब हो चुकी है। खाद्य पदार्थों की आसमान छूती कीमतों ने रसोई का बजट इस कदर बिगाड़ दिया है कि पकवानों की मिठास फीकी पड़ने लगी है। सब्जियाँ, दालें और खाद्य तेल जैसी बुनियादी चीज़ों के दाम जिस गति से बढ़े हैं, उसने आम आदमी की क्रय शक्ति की कमर तोड़ दी है। इस संकट के बीच केंद्रीय बैंक की हालिया कार्रवाई ने साफ़ कर दिया है कि महंगाई का यह झटका कोई अस्थायी समस्या नहीं है, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था के भीतर गहरे संरचनात्मक असंतुलन का नतीजा है। महंगाई की इसी मार और देश की आर्थिक स्थिति की समीक्षा करने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने एक सख्त निर्णय लेते हुए रेपो रेट को 25 बेसिस पॉइंट बढ़ाकर 5.50 प्रतिशत कर दिया। फरवरी 2023 के बाद केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरों में की गई यह पहली बढ़ोतरी है, जिसने बाज़ारों और उपभोक्ताओं दोनों को चौंका दिया है। रिज़र्व बैंक ने न केवल दरों में बढ़ोतरी की, बल्कि अपने नीतिगत रुख को भी 'तटस्थ' से बदलकर 'कैलिब्रेटेड टाइटनिंग' कर दिया है। इसका सीधा अर्थ है कि निकट भविष्य में ब्याज दरों में किसी कटौती की संभावना खत्म हो गई है और आने वाले समय में केंद्रीय बैंक तरलता को और कड़ा कर सकता है। बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए मुद्रास्फीति के अनुमान को बढ़ाकर 5.2 प्रतिशत कर दिया है। यद्यपि देश की जीडीपी ग्रोथ रेट के अनुमान को 7.1 प्रतिशत तक संशोधित किया गया है, लेकिन विकास की यह चमक महंगाई के अंधेरे के सामने फीकी पड़ रही है। आरबीआई की इस कार्रवाई ने आम उपभोक्ता पर दोहरी मार की स्थिति पैदा कर दी है। एक तरफ जनता पहले से ही बाज़ार में महँगी वस्तुओं से त्रस्त है, वहीं दूसरी तरफ रेपो रेट में वृद्धि के कारण होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन की ब्याज दरें तत्काल बढ़ जाएंगी। त्योहारी सीज़न में ईएमआई के इस बढ़ते बोझ ने लोगों के उत्साह पर पानी फेर दिया है। उच्च ब्याज दरों और महँगी उपभोक्ता वस्तुओं के मेल से बाज़ार में कुल घरेलू खपत में भारी गिरावट आने की आशंका है। मध्यम वर्ग अपनी गैर-जरूरी खर्चों जैसे कि पर्यटन, इलेक्ट्रॉनिक्स और रेस्तरां पर कटौती करने को मजबूर हो रहा है ताकि अनिवार्य आवश्यकताओं की पूर्ति हो सके। केंद्रीय बैंक का मानना है कि ब्याज दरों को बढ़ाकर वह बाज़ार में मांग को नियंत्रित कर सकेगा, लेकिन ज़मीनी हकीकत यह है कि यह महंगाई केवल माँग जनित नहीं है, बल्कि आपूर्ति में व्यवधानों का नतीजा है, जिसे केवल मौद्रिक उपायों से नियंत्रित नहीं किया जा सकता।

एक सामान्य भारतीय परिवार के मासिक बजट का सबसे बड़ा हिस्सा भोजन और घरेलू राशन पर खर्च होता है। पिछले कुछ महीनों में टमाटर, प्याज और आलू जैसी बुनियादी सब्जियों की कीमतें अनियंत्रित रूप से बढ़ी हैं। इसके साथ ही अरहर और उड़द जैसी दालों की कीमतें आम आदमी की पहुँच से बाहर होती जा रही हैं। प्रोटीन के सबसे सुलभ स्रोत का इस तरह महँगा होना पोषण सुरक्षा पर भी सवालिया निशान लगाता है। त्योहारी सीजन में तेल और घी की खपत बढ़ जाती है, लेकिन वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और घरेलू स्तर पर तिलहन उत्पादन में उतार-चढ़ाव के कारण खाद्य तेलों की खुदरा कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। परिवहन ईंधन की उच्च लागत के कारण खेतों से मंडियों तक सब्जियों और अनाज को पहुँचाने का भाड़ा बढ़ गया है और इस लॉजिस्टिक्स लागत का अंतिम बोझ आम उपभोक्ता की जेब पर ही ट्रांसफर होता है। इस प्रकार, भोजन की थाली से दाल-रोटी की मात्रा कम होती जा रही है और त्योहारों का पारंपरिक उल्लास केवल एक रस्म अदायगी बनकर रह गया है। रिज़र्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, युद्ध और व्यापारिक मार्गों में गतिरोध के कारण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बुरी तरह प्रभावित हुई है, जिससे 'आयातित महंगाई' बढ़ी है। इसके अलावा अनियमित मानसून, बेमौसम भारी बारिश और सूखे की स्थिति ने देश के कृषि चक्र को गंभीर रूप से प्रभावित किया है।

विश्व स्वास्थ्य ... — जयसिंह रावत

जलवायु परिवर्तन से स्वास्थ्य का संकट भी

जलवायु परिवर्तन अब केवल पर्यावरण और प्राकृतिक आपदाओं तक सीमित नहीं, बल्कि मानव स्वास्थ्य, जीवन प्रत्याशा, श्रम उत्पादकता और आर्थिक विकास के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। बढ़ता तापमान, वायु प्रदूषण, दवाओं के प्रति रोगाणुओं की बढ़ती प्रतिरोधक क्षमता और बदलते रोग चक्र विशेषकर गरीब तथा विकासशील देशों के लिए चिंताजनक हैं। अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा पत्रिका 'द लैंसेट' से जुड़े अध्ययनों और लैंसेट आयोग की रिपोर्टों ने चेताया है कि वर्तमान पर्यावरणीय एवं स्वास्थ्य नीतियों का प्रभाव पूरी शताब्दी तक रहेगा। भारत सहित दक्षिण एशिया में विशाल आबादी, अनियंत्रित शहरीकरण, भीषण गर्मी और कमजोर सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्थाएँ इस संकट को और गंभीर बनाती हैं। वैज्ञानिक इसके वास्तविक प्रभाव का आकलन 'अक्षमता-समायोजित जीवन-वर्ष' के आधार पर करते हैं, जिसमें असमय मृत्यु तथा बीमारी या अक्षमता के कारण खोए स्वस्थ जीवन-वर्ष शामिल हैं। समय रहते प्रभावी नीतिगत हस्तक्षेप से अरबों स्वस्थ जीवन-वर्ष बचाए जा सकते हैं।

अक्टूबर 2026 में बर्लिन के विश्व स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन में प्रस्तुत लैंसेट आयोग की रिपोर्ट ने मानव स्वास्थ्य के सामने 17 प्रमुख खतरों की पहचान की है। आयोग ने 204 देशों और क्षेत्रों के आँकड़ों का अध्ययन कर जलवायु परिवर्तन, वायु प्रदूषण, महामारी, दवा प्रतिरोध, कुपोषण, मोटापा, आर्थिक असमानता और मानसिक स्वास्थ्य को गंभीर चुनौतियाँ बताया है। परमाणु युद्ध और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का दुरुपयोग भी संभावित अस्तित्वगत खतरे माने गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक तापवृद्धि को 4.4 डिग्री के बजाय लगभग 1.8 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने से वर्ष 2025 से 2100 के बीच करीब 189 करोड़ स्वस्थ जीवन-वर्ष बचाए जा सकते हैं। यह विभिन्न परिदृश्यों पर आधारित अनुमान है, जिसमें विस्थापन और मानसिक स्वास्थ्य जैसे अप्रत्यक्ष प्रभाव पूरी तरह शामिल नहीं हैं। निष्कर्ष स्पष्ट है कि ऊर्जा, परिवहन, औद्योगिक उत्सर्जन और सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी वर्तमान नीतियाँ भविष्य की स्वास्थ्य क्षति निर्धारित करेंगी।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वायु प्रदूषण से प्रतिवर्ष लगभग 70 लाख असमय मौतें होती हैं। प्रदूषित हवा के सूक्ष्म कण हृदय रोग, पक्षाघात, श्वसन संबंधी बीमारियों और फेफड़ों के कैंसर का खतरा बढ़ाते हैं। वर्ष 2025 की लैंसेट काउंटडाउन रिपोर्ट के अनुसार 1990 के दशक की तुलना में गर्मी से संबंधित मृत्यु दर 23 प्रतिशत बढ़ी है। भारत में स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। ऊर्जा, पर्यावरण और जल परिषद के अध्ययन के अनुसार देश के 734 जिलों में से 417, अर्थात लगभग 57 प्रतिशत, अत्यधिक गर्मी के उच्च अथवा बहुत उच्च जोखिम में हैं। इन क्षेत्रों में देश की लगभग 76 प्रतिशत आबादी रहती है। राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र के अनुसार वर्ष 2024 में लू के 48,156 संदिग्ध मामले और गर्मी से संबंधित 430 मौतें दर्ज हुईं, जिनमें 161 पुष्ट तथा 269 संदिग्ध थीं।

राहुल गांधी का एलन मस्क के सुर में सुर मिलाना चिंताजनक

भारतीय राजनीति में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप लोकतंत्र का हिस्सा हैं। विपक्ष का दायित्व है कि वह सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए, सरकारी फैसलों की समीक्षा करे और आम नागरिकों के हितों की रक्षा के लिए आवाज बुलंद करे लेकिन जब किसी विदेशी उद्योगपति के आरोपों पर देश का कोई प्रमुख राजनीतिक नेता प्रतिक्रिया देता है, तब यह विचार करना आवश्यक हो जाता है कि उस प्रतिक्रिया का राष्ट्रीय हित, देश की आर्थिक व्यवस्था और भारत की वैश्विक छवि पर क्या प्रभाव पड़ सकता है। लोकतंत्र में राजनीतिक विरोध जरूरी है लेकिन राष्ट्रीय हित और सार्वजनिक जवाबदेही को ध्यान में रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। हाल के दिनों में कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तथा अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क के बीच सोशल मीडिया पर हुई बातचीत ने इसी विषय को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। एलन मस्क ने भारत में अपनी उपग्रह आधारित इंटरनेट सेवा स्टारलिंक के व्यावसायिक संचालन में हो रही देरी को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ प्रभावशाली कारोबारी हित उनकी कंपनी के भारत में प्रवेश में बाधा डाल रहे हैं। इस संदर्भ में उन्होंने रिलायंस समूह के प्रमुख मुकेश अंबानी का नाम लेते हुए भारतीय बाजार में कारोबारी प्रतिस्पर्धा और प्रभावशाली उद्योगपतियों की भूमिका पर सवाल उठाया। इसके बाद राहुल गांधी ने मस्क की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए भारत में उनका स्वागत किया और टिप्पणी की कि दूसरे व्यक्ति के बारे में जानने के बाद उनकी प्रतिक्रिया देखना दिलचस्प होगा। मस्क ने भी राहुल गांधी की प्रतिक्रिया पर जवाब दिया। इस बातचीत के बाद राजनीतिक हलकों में बहस शुरू हो गई कि क्या किसी विदेशी उद्योगपति के आरोपों पर इस तरह प्रतिक्रिया देने से पहले तथ्यों और राष्ट्रीय हित के सभी पहलुओं पर विचार नहीं किया जाना चाहिए। राहुल गांधी की राजनीति में बड़े उद्योगपतियों और केंद्र सरकार के कथित संबंधों का मुद्दा लंबे समय से प्रमुखता से उठता रहा है।

-संतोष कुमार तिवारी

जरा हटके

पहला, प्रत्येक पात्र... — कमलेश पांडेय

चुनाव आयोग के अधिकारियों को नहीं मतदाता सूची की नीति बदलिए



किसी भी लोकतंत्र की मजबूती के लिए पारदर्शी, विश्वसनीय और समावेशी मतदाता सूची जरूरी है लेकिन भारत के नेताओं और नौकरशाहों के गठजोड़ ने इसे एक हास्यास्पद विषय बना दिया है। यदि प्रत्येक व्यक्ति के जन्मभूमि पर ही मतदाता पहचान पत्र बना दिया जाए और उसके पलायन के बावजूद उसका स्थाई नंबर नहीं बदलने दिया जाए तो इससे बहुत सारे गड़बड़ झाले को रोका जा सकता है। इसे आधार कार्ड से लिंक करने पर व्यक्ति की वास्तविक पहचान भी सुनिश्चित होती है लेकिन हमारी नौकरशाही ऐसा कभी नहीं होने देगी। भारत में राजनीतिक कारणों से जितने पाकिस्तानियों और बांग्लादेशियों के मतदाता पहचान पत्र बनाए गए, उसके लिए तत्कालीन बीएलओ, एसडीएम और डीएम के अलावा राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि जिम्मेदार नहीं हैं तो कौन है? क्या कभी इस लापरवाही की जिम्मेदारी सुनिश्चित करने की कोशिश की गई? इनकी जमीनी लापरवाहियों या राजनीतिक पक्षपात के लिए इन्हें कड़ी सजा मिलनी चाहिए न कि राज्य के मुख्य चुनाव आयुक्त और केंद्रीय मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ अनर्गल आरोप लगाए जाने चाहिए।

एडॉल्फ हिटलर ने कहा था कि यदि तुम एक झूठ को सौ बार दोहराओगे तो वह लोगों को सच लगने लगेगा। जिन नेताओं ने अल्पसंख्यकों की आड़ में, झुग्गी-झोपड़ियों की आड़ में गलत मतदाता पहचान पत्र बनवा लिए, जब एसआईआर में ये पकड़ में आने लगे तो विपक्ष का बेचैन होना स्वाभाविक है। चाहे कांग्रेस हो भाजपा हो या क्षेत्रीय दल, अब इस खेल में सभी पारंगत दिख रहे हैं। यदि नौकरशाही तभी इस खेल को पकड़ लेती तो आज चुनाव आयोग को इतनी कड़ी मशक्कत नहीं करनी पड़ती। इस पूरे खेल में ग्राम पंचायत, नगर पंचायत, नगरपालिका, नगर निगम, विधानसभा और लोकसभा की मतदाता सूची में जो गड़बड़झाला है, उसे भी यदि समय रहते नहीं रोका गया तो मतदाताओं को न्याय मिल पाएगा, इस बात की कोई गारंटी नहीं है क्योंकि हर चुनाव में मतदाता सूची बदल जाना राजनीतिक व प्रशासनिक खेल नहीं तो क्या है? हर चुनाव के वक्त कुछ ऐसे वास्तविक लोग मिल जाएंगे जिनके नाम ही मतदाता सूची से गायब मिलेंगे। आखिर इस लापरवाही के लिए सरकारी अधिकारियों की जिम्मेदारी कौन सुनिश्चित करेगा। इस बात में कोई दो राय नहीं कि लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति मतदाता के मताधिकार में निहित है। यह अधिकार तभी सार्थक है जब प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज हो और कोई अपात्र व्यक्ति गलत तरीके से उसमें शामिल न रहे। इसलिए मतदाता सूची तैयार करने, उसमें संशोधन करने और उसकी शुद्धता सुनिश्चित करने की प्रक्रिया लोकतांत्रिक व्यवस्था का अत्यंत महत्वपूर्ण हिस्सा है। यदि कोई अधिकारी इसमें लापरवाही बरतता पाया जाता है तो उसके लिए भी सख्त सजा का प्रावधान हो।

जब भी मतदाता सूची में गड़बड़ियों, नाम कटने, दोहरी प्रविष्टियों अथवा पात्र मतदाताओं के छूट जाने की शिकायतें सामने आती हैं तो चुनाव आयोग के अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका पर सवाल उठने लगते हैं लेकिन क्या हर समस्या के लिए मैदानी स्तर पर काम करने वाले अधिकारियों व राजनीतिक कार्यकर्ताओं को जिम्मेदार ठहराना उचित है? या हमें उन नीतियों, नियमों और प्रक्रियाओं की समीक्षा करनी चाहिए, जिनके तहत मतदाता सूची तैयार की जाती है? नए मतदाताओं के नाम जोड़ना और मृतकों के नाम डिलीट करना चुनाव आयोग की वार्षिक जिम्मेदारी है। इस हेतु हर वर्ष अभियान चलाया जाता है। सवाल है कि अधिकारियों की जवाबदेही के साथ नीतिगत सुधार भी जरूरी है। इसके लिए संसद को भी सचेष्ट होना पड़ेगा। मतदाता सूची तैयार करने का काम व्यापक और संवेदनशील है। इसमें करोड़ों नागरिकों के विवरण का सत्यापन, नए मतदाताओं का पंजीकरण, मृत व्यक्तियों के नाम हटाना, स्थानांतरित नागरिकों के विवरण का अद्यतन और दोहरी प्रविष्टियों की पहचान जैसे अनेक कार्य शामिल होते हैं। यदि इन प्रक्रियाओं में त्रुटियां होती हैं तो उनकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। जानबूझकर लापरवाही, पक्षपात या नियमों के उल्लंघन के प्रमाण मिलने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही भी तय की जानी चाहिए लेकिन प्रत्येक प्रशासनिक त्रुटि को केवल कर्मचारियों की विफलता मान लेना समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। यह भी देखना होगा कि निर्धारित समयसीमा व्यावहारिक है या नहीं, उपलब्ध संसाधन पर्याप्त हैं या नहीं, सत्यापन की प्रक्रिया कितनी सरल है और नागरिकों को अपनी शिकायतों के समाधान के लिए कितनी आसानी से अवसर मिलता है।

पहला, प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम जोड़ने की प्राथमिकता। मतदाता सूची की शुद्धता का अर्थ केवल गलत नाम हटाना नहीं बल्कि प्रत्येक पात्र नागरिक को सूची में शामिल करना भी है। किसी पात्र मतदाता का नाम हटने या दर्ज न होने से उसके मताधिकार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए नाम हटाने की प्रक्रिया में उचित सूचना, सत्यापन और अपना पक्ष रखने का अवसर सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

दूसरा, नाम काटने की प्रक्रिया पारदर्शी हो। किसी मतदाता का नाम सूची से हटाने के लिए स्पष्ट नियम, सत्यापन योग्य आधार और निर्धारित प्रक्रिया होनी चाहिए।

राजधानी में बाढ़, मिले 34 नए डेंगू के मरीज

संकट

रिवर फ्रंट और हनुमान मंदिर में घटा पानी, नवरात्र में चंद्रिका देवी मंदिर बंद

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । 15 दिनों से बाढ़ के हालात बने हुए हैं। 5 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। सबसे ज्यादा परेशानी फैजुल्लागंज में है। यहां 50 से 60 हजार से अधिक घर आधे से ज्यादा पानी में डूबे हैं। कुछ इलाकों में जलस्तर घटा है, लेकिन लोगों की मुश्किलें कम नहीं हुई हैं। सड़कों पर नाव चल रही हैं। घरों के बाहर खड़ी कारें और बाइकें पानी में डूबी हैं। घरों में रखा राशन खराब हो गया है। कई परिवार घर छोड़कर किराए के मकानों में रहने को मजबूर हैं।

जलभराव के कारण मां चंद्रिका देवी धाम मंदिर बंद है। वहीं, रिवर फ्रंट पार्क और पातालपुरी लेटे हनुमान मंदिर में करीब डेढ़ फीट पानी कम हुआ है। गोमती नदी का जलस्तर भी थोड़ा घटा है। इधर,



शहर में डेंगू के मामले बढ़ने लगे हैं। पिछले 24 घंटे में 34 नए मरीज मिले हैं। सर्दी, जुकाम और बुखार की शिकायत लेकर अस्पताल पहुंच रहे लोगों की जांच में डेंगू की पुष्टि हो रही है। लोहिया, केजीएमयू और बलरामपुर अस्पताल में डेंगू के मरीज भर्ती हो रहे हैं। फैजुल्लागंज की सुभाष चंद्र बोस कॉलोनी में बाढ़ के बीच एक बच्चे की तबीयत खराब हो गई। परिवार बच्चे को इलाज के लिए ले जाना चाहता है, लेकिन नाव नहीं मिल पा रही। पानी भरने के कारण बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है। परिवार नाव मिलने का इंतजार कर रहा है। लखनऊ के

15वें दिन रिवर फ्रंट पार्क में घटा पानी, डेढ़ फीट नीचे आया जलस्तर

गोमती नदी के बढ़े जलस्तर के बीच राहत की खबर है। 15वें दिन रिवर फ्रंट पार्क में करीब डेढ़ फीट पानी कम हुआ है। कर्मचारियों के मुताबिक, पहले पार्क की चार सीढ़ियां पानी में डूबी थीं, अब सिर्फ दो सीढ़ियां ही डूबी नजर आ रही हैं।

बाढ़ क्षेत्र में पुलिस मुस्तैद, एसीपी अलीगंज ले रहे हालात का जायजा

लखनऊ के बाढ़ प्रभावित इलाकों में पुलिस लगातार मुस्तैद है। एसीपी अलीगंज शशि प्रकाश मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा ले रहे हैं। पुलिस टीम बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में निगरानी कर रही है और लोगों की सुरक्षा का ध्यान रख रही है।

फैजुल्लागंज इलाके में जलभराव के कारण कई मकानों में चार फीट तक पानी भरा हुआ है। प्रशासन की ओर से अब तक किसी भी नाव या पुख्ता राहत की व्यवस्था

ड्रोन से दवा के छिड़काव की तैयारी

इलाके में संक्रमण और मच्छरों के बढ़ते खतरे को देखते हुए ड्रोन के जरिए दवा का छिड़काव करने की तैयारी की जा रही है। इससे प्रभावित क्षेत्रों में दवा पहुंचाने और मच्छरों के प्रकोप को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। लखनऊ के बलरामपुर अस्पताल में निदेशक डॉ. बीकेएस चौहान ने बुखार समेत संक्रामक रोगों से भर्ती मरीजों के इलाज की जानकारी ली। उन्होंने मरीजों को दी जा रही ट्रीटमेंट की व्यवस्था का जायजा लिया। शहर में डेंगू के मामले बढ़ने के बीच अस्पताल प्रशासन मरीजों के उपचार और व्यवस्थाओं पर नजर रख रहा है।

न होने के कारण स्थानीय निवासियों को भोजन, राशन, बिजली और साफ पीने के पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान होना पड़ रहा है।



> लखनऊ के फैजुल्लागंज इलाके में जलभराव के कारण कई मकानों में चार फीट तक पानी भरा हुआ है। प्रशासन की ओर से अब तक किसी भी नाव या पुख्ता राहत की व्यवस्था न होने के कारण स्थानीय निवासियों को भोजन, राशन, बिजली और साफ पीने के पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान होना पड़ रहा है।

फैजुल्लागंज की मंगल कॉलोनी में पानी का संकट, दूर से बाल्टी भरकर ला रहे लोग

फैजुल्लागंज की मंगल कॉलोनी में बाढ़ के बीच लोग पानी की किल्लत से जूझ रहे हैं। बिजली न आने से पानी की समस्या और बढ़ गई है। लोगों को काफी दूर से बाल्टियों में पानी भरकर लाना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वे कई बार मदद की गुहार लगा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई राहत नहीं मिली है। बाढ़ के बीच पीने के पानी के लिए भी लोगों को परेशान होना पड़ रहा है।

फास्ट न्यूज

विद्यार्थियों ने किया उत्तर प्रदेश विधानसभा का शैक्षणिक भ्रमण

लखनऊ। जागरण इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, कानपुर के 30 विद्यार्थियों एवं दो शिक्षकों के दल ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने विधानसभा भवन, सदन की कार्यप्रणाली तथा प्रदेश की विधायी एवं संसदीय व्यवस्था के बारे में जानकारी प्राप्त की।

लखनऊ में बोरे में मिला शव, सिर कूंचा गया

बख्शी का तालाब । लखनऊ में बोरे में एक युवक का शव मिला है। पैर का हिस्सा एक बोरे में और सिर दूसरे बोरे से ढका गया था। युवक का सिर कूंचा हुआ है। सिर, गर्दन, पेट और हथेली में जख्म हैं और पूरा शरीर खून से लथपथ मिला है। पुलिस शिनाख्त की कोशिश कर रही है। युवक के शरीर पर मैरून रंग शर्ट और जींस की पैंट है।

शव सोमवार रात करीब 11:30 बजे बख्शी का तालाब इलाके में अचरामऊ से मलाक जाने वाले कच्चे रास्ते पर मिला। पुलिस ने हत्या की आशंका जताई है। शव की तस्वीर शिनाख्त के लिए आसपास के थानों और जिलों में भेज दी गई है।

सर्वोदय विद्यालयों के स्टूडेंट्स को फ्री कोचिंग का मौका

लखनऊ। इंजीनियरिंग और मेडिकल की तैयारी करने वाले स्टूडेंट्स के लिए अच्छी खबर है। जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों में 12वीं के साइंस स्ट्रीम के स्टूडेंट्स को JEE और NEET की फ्री कोचिंग का मौका मिलेगा। दक्षणा फाउंडेशन इसके लिए JDST-2027 परीक्षा के जरिए स्टूडेंट्स का चयन करेगा। चुने गए स्टूडेंट्स को एक साल तक कोचिंग दी जाएगी।

एलडीए में रजिस्ट्री कैंप शुरू एक जगह पूरी होगी प्रक्रिया

तमसा संकेत, एजेंसी

3 दिन तक चलेगा शिविर, बसंतकुंज और ट्रांसपोर्ट नगर की संपत्तियों की भी होगी रजिस्ट्री

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) में संपत्तियों की रजिस्ट्री कराने के लिए अब आवंटियों को अलग-अलग दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। मंगलवार से एलडीए भवन के कमेटी हॉल में तीन दिन का विशेष रजिस्ट्री कैंप शुरू हुआ है। यह कैंप 13 से 15 अक्टूबर तक चलेगा। इसमें एलडीए और रजिस्ट्री कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी एक ही जगह मौजूद रहेंगे। जरूरत पड़ने पर कैंप की अवधि बढ़ाई जा सकती है। एलडीए के अपर सचिव ज्ञानेंद्र वर्मा ने बताया कि कई आवंटियों की रजिस्ट्री अलग-अलग स्तर पर अटकी रहती है। इसके लिए उन्हें कभी एक पटल तो कभी दूसरे पटल पर जाना पड़ता है। इसी परेशानी को दूर करने के लिए कैंप लगाया गया



है। यहां आवंटी एक ही जगह पर दस्तावेज तैयार कराने से लेकर रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूरी करा सकेंगे। कैंप में बसंतकुंज योजना के फ्लैटों की रजिस्ट्री के मामलों को भी निपटाया जाएगा। इसके अलावा ट्रांसपोर्ट नगर में फ्रीहोल्ड से जुड़े ऐसे कई मामले हैं, जिनकी रजिस्ट्री होनी है। इन संपत्तियों के आवंटियों को भी कैंप से राहत मिलने की उम्मीद है। एलडीए के मुताबिक, जिन आवंटियों ने अपनी संपत्ति की पूरी कीमत जमा कर दी है, उन्हें कॉल सेंटर के माध्यम से रजिस्ट्री कराने की सूचना दी जा रही है। वहीं, जिन आवंटियों ने 80 प्रतिशत या उससे अधिक भुगतान कर दिया है, उन्हें शेष धनराशि जमा करके रजिस्ट्री कराने के लिए कहा जा रहा है।

कैंप के जरिए लंबित रजिस्ट्रियों को पूरा करने की कोशिश की जा रही है। तीन दिन में कितने मामलों का निस्तारण होता है, इसके आधार पर जरूरत पड़ने पर शिविर की अवधि बढ़ाई जा सकती है।

सपा अध्यक्ष ने खाद्य पदार्थों और घरेलू सामान की बढ़ती कीमतों पर उठाए सवाल

अखिलेश यादव का आरोप : भाजपा की मुनाफाखोरी से बढ़ी महंगाई

- त्योहारों पर जनता परेशान
- सरकार बनने पर लोहिया की 'दाम बांधो नीति' लागू करने का किया वादा
- 2027 में सरकार बनने पर महंगाई रोकने का वादा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने महंगाई को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों, मुनाफाखोरी और कालाबाजारी के कारण महंगाई लगातार बढ़ रही है। खाद्य पदार्थों से लेकर कपड़े, जूते और घरेलू सामान तक की कीमतों में



बढ़ोतरी से आम जनता और गरीब परिवारों के सामने जीवनयापन का संकट खड़ा हो गया है। अखिलेश यादव ने दावा किया कि महंगाई और बेरोजगारी से परेशान जनता भाजपा सरकार को सत्ता से हटाने का फैसला कर चुकी है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर महंगाई पर नियंत्रण करने के लिए कदम उठाए जाएंगे और जनता को राहत दी जाएगी। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार डॉ. राममनोहर लोहिया के सिद्धांतों पर चलते हुए 'दाम बांधो नीति' लागू

मुनाफाखोरी और कालाबाजारी पर उठाए सवाल

सपा अध्यक्ष ने कहा कि सरकारी विभागों के आंकड़े भी महंगाई की स्थिति को दर्शाते हैं, लेकिन भाजपा सरकार पर इसका कोई असर नहीं पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि महंगाई से होने वाले मुनाफे का लाभ भाजपा को चंदे के रूप में मिलता है। अखिलेश यादव ने कहा कि त्योहारों के दौरान आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी से आम लोगों पर आर्थिक बोझ बढ़ जाता है। उनके मुताबिक, बड़े व्यापारी और पूंजीपति जनता से अधिक कीमतें वसूल रहे हैं।

करेगी, ताकि आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाया जा सके। यह बयान समाजवादी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी की ओर से जारी किया गया।

> अखिलेश यादव ने कहा कि डीजल, पेट्रोल और रसोई गैस की कीमतें पहले से ही अधिक हैं। त्योहारों के मौसम में तेल, दाल, सब्जी, दूध, घी और चीनी सहित रोजमर्रा की जरूरतों की वस्तुओं के दाम बढ़ने से लोगों की परेशानी और बढ़ गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि महंगाई ने त्योहारों की खुशियों को फीका कर दिया है और सरकार बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण करने में विफल रही है।

जालंधर, अंबाला, मुरादाबाद और लखनऊ में आयोजित शिविरों में 550 अधिकारियों व कर्मचारियों ने लिया हिस्सा

उत्तर रेलवे ने ओएचई अपग्रेडेशन कार्यों की संरक्षा और गुणवत्ता पर दिया जोर

- सुरक्षित रेल परिचालन और तकनीकी मानकों के पालन पर चर्चा
- आपात स्थिति से निपटने की तैयारी पर चर्चा
- संरक्षा पहले, गुणवत्ता से समझौता नहीं

तमसा संकेत, संवाददाता



लखनऊ। उत्तर रेलवे ने 2x25 केवी ओवरहेड इक्विपमेंट (ओएचई) अपग्रेडेशन कार्यों में संरक्षा और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए अक्टूबर 2026 में चार प्रमुख स्थानों पर संगोष्ठी-सह-संवाद शिविर आयोजित किए। इन शिविरों का आयोजन एक अक्टूबर को जालंधर, पांच अक्टूबर को अंबाला, नौ अक्टूबर को मुरादाबाद और 12 अक्टूबर को लखनऊ में किया गया। अभियान में कुल 550 अधिकारियों, कर्मचारियों और ठेकेदारों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

शिविरों का मुख्य उद्देश्य निर्माणाधीन ढांचागत परियोजनाओं में निर्धारित तकनीकी मानकों का पालन सुनिश्चित करने के साथ संरक्षा संस्कृति और गुणवत्ता के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। इसमें 42 अधिकारी, मंडलीय टीआरडी के 169 कर्मचारी, अंबाला और लखनऊ की विद्युतीकरण परियोजना इकाइयों के 112 कर्मचारी तथा ठेकेदारों और एजेंसियों के 227 कर्मचारी शामिल हुए। शिविरों में खराब मौसम के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों, आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली, दुर्घटना की रिपोर्टिंग और बचाव व्यवस्था से संबंधित जानकारी साझा की गई। अधिकारियों, परियोजना इकाइयों के कर्मचारियों, पर्यवेक्षकों और ठेकेदारों की जिम्मेदारियों को स्पष्ट करते हुए सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य निष्पादन के लिए जवाबदेही तय करने पर जोर दिया गया। इसके साथ ही कार्यस्थलों पर सामने आने वाले संभावित खतरों, तकनीकी चुनौतियों और पूर्व में हुई संरक्षा संबंधी घटनाओं के अनुभव साझा किए गए, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

> उत्तर रेलवे ने स्पष्ट किया कि इन महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के निष्पादन में कर्मचारियों की सुरक्षा, निर्बाध ट्रेन परिचालन और रेल परिसंपत्तियों का संरक्षण सर्वोच्च प्राथमिकता है। रेलवे का मार्गदर्शक सिद्धांत है- संरक्षा पहले, गुणवत्ता हमेशा, कोई शॉर्टकट नहीं और कोई समझौता नहीं।

कर्मचारियों की सुरक्षा और रेल परिसंपत्तियों के संरक्षण पर जोर

सत्रों में कर्मचारियों की सुरक्षा, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों (पीपीई) के अनिवार्य उपयोग और सुरक्षित कार्यप्रणाली पर विशेष जोर दिया गया। रेलवे ट्रैक के आसपास क्रेन, जेसीबी और अन्य भारी मशीनों के सुरक्षित संचालन के साथ ट्रैक, सिग्नलिंग, दूरसंचार और रेल परिचालन को सुरक्षित रखने के उपायों पर भी चर्चा हुई। ओएचई अपग्रेडेशन के तहत फाउंडेशन कास्टिंग, मास्ट इरेक्शन, एलाइनमेंट और ग्राउटिंग जैसे कार्यों में स्वीकृत ड्राइंग, तकनीकी विनिर्देशों और निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करने की आवश्यकता बताई गई। इसके अलावा मौजूदा रेल ढांचे और विद्युतयुक्त ओएचई के नजदीक फीडर वायर, एईसी और बीईसी से जुड़े कार्यों को सुरक्षित तरीके से पूरा करने पर भी ध्यान केंद्रित किया गया।

राजधानी में 32 करोड़ की मॉर्फिन बरामद, 2 गिरफ्तार

पिस्टल-कारतूस, कैश और कार बरामद

छापेमारी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । ANTF और दुबग्गा पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 6.400 किलो संदिग्ध मॉर्फिन, एक पिस्टल और छह कारतूस बरामद हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, बरामद मॉर्फिन की कीमत करीब 32 करोड़ रुपये है।

आरोपियों की पहचान बाराबंकी के कुर्सी थाना क्षेत्र स्थित मोहसंद टिकैतगंज गांव निवासी जुहैल (25) और अमजद (22) के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके पास से 16,170 रुपए नकद, छह मोबाइल फोन, एक स्कूटी और हुंडई वेन्यू कार भी बरामद की है। एसीपी बीनू सिंह के मुताबिक, ANTF लखनऊ यूनिट और दुबग्गा पुलिस की संयुक्त टीम ने



रविवार देर रात करीब 11 बजे दुबग्गा थाना क्षेत्र के महिपत मऊ गांव में कार्रवाई की। यह इलाका अंधे की चौकी के अंतर्गत आता है। छापेमारी के दौरान दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक, बरामद संदिग्ध पदार्थ में 3.600 किलो सूखा पाउडर और 2.800 किलो गीला पदार्थ शामिल है। गीला पदार्थ पिंडी के आकार में था। दोनों का कुल वजन 6.400 किलो है। मौके से केमिकल और अन्य सामग्री भी बरामद हुई है। पुलिस ने सभी सामान कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

संबोधन : कार्यक्रम की अध्यक्षता विधान परिषद सदस्य पवन सिंह चौहान ने की

पं. नारायण दत्त तिवारी का जीवन सार्वजनिक सेवा और विकास के प्रति समर्पण का प्रतीक : सतीश महाना

तमसा संकेत, संवाददाता



> महाना आज इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ के मुख्य सभागार में आयोजित पं. नारायण दत्त तिवारी जन्म शताब्दी समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधान परिषद सदस्य श्री पवन सिंह चौहान ने की।

लखनऊ । उत्तर प्रदेश विधानसभा के माननीय अध्यक्ष श्री सतीश महाना ने कहा कि स्वर्गीय पं. नारायण दत्त तिवारी केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक संस्था और एक युग थे। वे विकास की आधारशिला रखने वाले ऐसे राजनेता थे, जिनका संपूर्ण जीवन समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित रहा।

माननीय अध्यक्ष ने कहा कि पं. नारायण दत्त तिवारी की योग्यता और प्रशासनिक क्षमता का वर्णन शब्दों में करना कठिन है। प्रदेश का शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा, जो उनके व्यक्तित्व से परिचित न हो। उन्होंने उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड के मुख्यमंत्री तथा केंद्र सरकार में महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया। विकास के अनेक क्षेत्रों में उन्होंने नई शुरुआत की और दूरदर्शी सोच के साथ विकास की मजबूत नींव रखी। उन्होंने कहा कि संस्थाएं निरंतर चलती रहती हैं, लेकिन उनसे जुड़े व्यक्तियों को अपने कार्यों से ऐसी पहचान छोड़नी चाहिए, जिसे आने वाली पीढ़ियां याद रखें। किसी व्यक्ति की कमियों के आधार पर पूरी संस्था का मूल्यांकन नहीं किया जा सकता। हर क्षेत्र में अच्छे और कमजोर दोनों प्रकार के लोग हो सकते हैं, लेकिन संस्था की गरिमा और महत्व बना रहता है। इस अवसर पर पूर्व मंत्री अम्मार रिजवी ने कहा कि श्री सतीश महाना ने भारत के अंदर ही नहीं, बल्कि भारत के बाहर भी उत्तर प्रदेश विधानसभा का नाम रोशन किया है। उन्होंने विधानसभा को आधुनिक, तकनीक-सक्षम और प्रभावी बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए श्री पवन सिंह चौहान ने पं. नारायण दत्त तिवारी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण करते हुए कहा कि उनका जीवन सार्वजनिक जीवन में सक्रिय लोगों के लिए सदैव प्रेरणादायी रहेगा।





प्रशासनिक क्षमता के साथ-साथ लोगों से जुड़ने की अद्भुत क्षमता

महाना ने कहा कि पं. तिवारी में प्रशासनिक क्षमता के साथ-साथ लोगों से जुड़ने की अद्भुत क्षमता थी। उन्होंने विधानसभा की गरिमा को सदैव ऊंचा रखा। उनके विधानसभा में दिए गए 30,872 वक्तव्य उनके व्यापक संसदीय अनुभव और विषयों पर उनकी पकड़ को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा के ऐप पर उपलब्ध उनके वक्तव्यों को नई पीढ़ी को पढ़ना चाहिए और उनके जीवन से कुछ सीखने का प्रयास करना चाहिए।

यूपी भाजपा के किसान-महिला और एसटी मोर्चा के जिलाध्यक्ष घोषित

महिला मोर्चा में सभी क्षेत्रों में नियुक्तियां, एसटी मोर्चा में तीन क्षेत्रों में ही बनी टीम

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । भारतीय जनता पार्टी ने अपने अग्रिम मोर्चों के संगठन विस्तार का अभियान तेज कर दिया है। सोमवार को पार्टी ने किसान मोर्चा, अनुसूचित जनजाति (एसटी) मोर्चा और महिला मोर्चा के जिलाध्यक्षों की सूची जारी की। महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष सरोज कुशवाहा ने सभी छह संगठनात्मक क्षेत्रों में जिलाध्यक्ष नियुक्त किए हैं। किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र सिंह चौधरी ने भी कई जिलों में नई नियुक्तियां की हैं। एसटी मोर्चा में फिलहाल कानपुर, काशी और गोरखपुर क्षेत्र के जिलों में ही अध्यक्षों की घोषणा की गई है।

महिला मोर्चा की नियुक्तियों में जातीय और क्षेत्रीय संतुलन का ध्यान रखा गया है। गाजियाबाद में आरती मिश्रा, बागपत में मीनाक्षी



सिसोदिया, मुरादाबाद महानगर में सुनीता सैनी, आगरा महानगर में अपूर्वा जादौन और आगरा जिला में मनीषा सिंह को जिम्मेदारी दी गई है। कानपुर देहात में डॉ. दीपिका सिंह सेंगर और कानपुर ग्रामीण में श्वेता सिंह को जिलाध्यक्ष बनाया गया है। लखनऊ महानगर में अर्चना साहू, लखनऊ जिला में सुनीता पांडेय, बाराबंकी में रामेश्वरी मिश्रा और अयोध्या जिला में अंजू पांडेय को महिला मोर्चा का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। काशी क्षेत्र में वाराणसी महानगर से प्रज्ञा पांडेय, वाराणसी जिला से किरण मिश्रा को जिम्मेदारी मिली है।

किसान मोर्चा में भी नई नियुक्तियां

किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र सिंह चौधरी ने भी जिलाध्यक्षों की नियुक्ति की है। रामपुर में ऋषि पांडेय, मुरादाबाद जिला में अनुज विश्नोई और बुलंदशहर में ललित प्रधान को जिम्मेदारी दी गई है। ब्रज क्षेत्र में आगरा महानगर से रवि राजपूत और आगरा जिला से अशोक चाहर को जिलाध्यक्ष बनाया गया है। पीलीभीत में शरदपाल को जिम्मेदारी सौंपी गई है। कानपुर क्षेत्र में कानपुर उत्तर से शैलेंद्र सिंह, कानपुर दक्षिण से अजय प्रताप सिंह और कानपुर ग्रामीण से अनुराग शुक्ला को किसान मोर्चा का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। झांसी में कृष्ण चंद्र तिवारी को जिम्मेदारी मिली है।

मां बोली-हत्यारों का खून चाहिए, पीलीभीत में अंधाधुंध फायरिंग में 20 साल के राहगीर की भी जान गई

2 कारोबारी भाइयों की हत्या

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

पीलीभीत। पीलीभीत में 2 सगे कारोबारी भाइयों समेत 3 लोगों की हत्या कर दी गई। एक व्यक्ति की हालत गंभीर है। पुलिस के मुताबिक, रामलीला कमेटी के चंदे को लेकर वारदात हुई। सोमवार रात 9:30 बजे कारोबारी भाई दूसरे गुट के घर पहुंचे। इसी दौरान कहासुनी हो गई।

दूसरे गुट के लोगों ने घर से लाठी-डंडे निकालकर दोनों भाइयों को पीटना शुरू कर दिया। इसके बाद फायरिंग कर दी। गोली लगने से दोनों भाई और उनके साथ गया रिश्तेदार घायल हो गया। रास्ते से गुजर रहे एक राहगीर को भी गोली लग गई। चारों को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान दोनों कारोबारी भाइयों और राहगीर की मौत हो गई। मृतकों की पहचान कारोबारी भाई मोहित गुप्ता (38), अंकित गुप्ता (30) और राहगीर कुणाल श्रीवास्तव (18) के रूप में हुई है। घायल रिश्तेदार की पहचान रोज गुप्ता (20) के रूप में हुई है।



पीलीभीत में मर्डर के दौरान का वीडियो भी सामने आया है, जिसमे आरोपी बंदूक लहराते नजर आ रहे हैं।



घटना जिला मुख्यालय से 20 किमी दूर अमरिया थाना क्षेत्र की है। वारदात के बाद कारोबारी के परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। कारोबारी भाइयों की मां नन्ही देवी ने रोते हुए कहा- खून के बदले खून चाहिए। अमरिया कस्बे में रहने वाले कौशल गुप्ता और चंद्र प्रकाश गुप्ता के परिवार में लंबे समय से रामलीला कमेटी में 20-22 लाख के चंदे को लेकर विवाद चल रहा था। कौशल कमेटी में मेंबर हैं, जबकि चंद्र प्रकाश का बेटा सूरज अध्यक्ष है। कमेटी हर साल कस्बे में रामलीला का आयोजन कराती है। 9 अक्टूबर को कमेटी की बैठक हुई। इसमें कौशल ने सूरज से 4 साल के चंदे का हिसाब-किताब मांगा। इसी बात पर दोनों में बहस हो गई। लोगों ने किसी तरह मामले को शांत कराया। सोमवार शाम करीब 6 बजे कस्बे में एक कार्यक्रम में फिर से दोनों का आमना-सामना हो गया। दोनों के बीच बहस होने लगी। लोगों ने दोनों को समझाकर मामला शांत कराया। रात 9:30 बजे चंद्र प्रकाश के भाई नरेश गुप्ता के बेटे कारोबारी मोहित और अंकित गुप्ता साथियों के साथ कौशल गुप्ता के घर पहुंच गए। जहां दोनों गुटों में गाजी-गलौज और मारपीट होने लगी।

मुख्य आरोपी समेत 8 लोग हिरासत में

वारदात की सूचना पर एसपी सुकीर्ति माधव मिश्रा मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने मौके पर जांच की। पुलिस ने मुख्य आरोपी कौशल गुप्ता, उसके भाई हर्षित गुप्ता, पिता नरेश गुप्ता, चाचा संतोष गुप्ता और चचेरे भाई रचित गुप्ता समेत 8 लोगों को हिरासत में ले लिया गया है।

> एसपी सुकीर्ति माधव मिश्रा ने बताया 8 आरोपियों को कस्टडी में लिया गया है। एक आरोपी संतोष गुप्ता की लाइसेंसी राइफल, एक अवैध तमंचा और लाठी-डंडे बरामद कर लिए हैं। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए कस्बे में पुलिस फोर्स तैनात किया गया है। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

भाई-बहन बोले- हत्यारों का एनकाउंटर हो

मृतक कारोबारी अंकित की चचेरी बहन सेजल ने रोते हुए कहा कि हमें न्याय चाहिए। जिस तरह हमारे भाइयों को तड़पा-तड़पाकर मारा गया है, हत्यारों को भी वैसे ही मारा जाना चाहिए।

मृतक के चचेरे भाई अश्विनी गुप्ता ने बताया- घर में अब कोई चिराग जलाने वाला नहीं है। दो-दो भाभियां विधवा हो गई हैं। हत्यारों को उनके किए की सजा मिलनी चाहिए। उनका एनकाउंटर होना चाहिए।

मृतक की चचेरी बहन और चचेरे भाई ने वारदात की पूरी कहानी सुनाई।

कानपुर में स्कूल-आंगनबाड़ी बने तालाब, 180 बच्चों की पढ़ाई ठप

तमसा संकेत, एजेंसी

बिल्हौर । कानपुर के उच्च प्राथमिक विद्यालय और 2 आंगनवाड़ी केंद्रों में बारिश का पानी भरने से बच्चों की पढ़ाई ठप है। 180 से अधिक बच्चों को दूसरे स्कूल में पढ़ाना पढ़ रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि तालाब से पानी निकलने का रास्ता अतिक्रमण के कारण बंद है। इसकी शिकायत अधिकारियों से भी की गई, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं हो सका। हर बार बारिश में बच्चों को दूसरे ठिकाने पर भेजा जाता है। लेकिन अधिकारी सब कुछ जानते हुए भी अंजान बने हैं। मामला मुख्यालय से 70km दूर ककवन कस्बे के स्कूल का है।

ककवन कस्बे के दक्षिणी छोर पर तालाब के किनारे उच्च प्राथमिक विद्यालय बना है। इसी परिसर में दो आंगनबाड़ी केंद्र भी संचालित होते हैं। विद्यालय में प्रधानाचार्य अजीत सिंह के साथ सुनीता यादव और जगत सिंह समेत 3 शिक्षक तैनात हैं। स्कूल की तीन कक्षाओं में 89 स्टूडेंट रजिस्टर्ड हैं। वहीं, दोनों आंगनबाड़ी केंद्रों में 46 और 45 बच्चे दर्ज हैं। यानी जलभराव से कुल 180 बच्चों की पढ़ाई और गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। बच्चों की पढ़ाई जारी रखने के लिए शुरुआत में स्कूल की कक्षाएं गांव के प्राथमिक विद्यालय द्वितीय में लगाई गईं। वहीं, आंगनबाड़ी प्रथम को पशु अस्पताल में और दूसरे केंद्र को उत्तम के निजी मकान के बाहर बने बरामदे में चलाना पड़ा।



ग्रामीण बोले- अतिक्रमण के चलते पानी नहीं निकल रहा, विभागीय अफसर अंजान बने

फास्ट न्यूज

दिवाली-छठ से पहले ट्रेनों में सीटें फुल

आगरा। दिवाली और छठ पूजा पर घर जाने की तैयारी कर रहे यात्रियों के लिए कन्फर्म टिकट मिलना मुश्किल हो गया है। आगरा से गुजरने वाली लंबी दूरी की ट्रेनों में 12 से 20 अक्टूबर तक स्लीपर और एसी कोच में लंबी वेटिंग चल रही है। गोवा एक्सप्रेस के स्लीपर में सबसे ज्यादा 78 यात्रियों की वेटिंग है। 10 अक्टूबर को दिल्ली में एक संगठन के प्रदर्शन के चलते आगरा-दिल्ली रूट की करीब दो दर्जन ट्रेनें रद्द हुई थीं।

भाजपा महिला मोर्चा की महानगर अध्यक्ष बनीं अपूर्वा सिंह

आगरा। भाजपा महिला मोर्चा में संगठनात्मक बदलाव करते हुए अपूर्वा सिंह को महानगर अध्यक्ष और मनीषा सिंह को जिलाध्यक्ष बनाया गया है। प्रदेश अध्यक्ष सरोज कुशवाहा ने प्रदेश के सभी जिलों के अध्यक्षों की सूची जारी की है। दोनों पदाधिकारी क्षत्रिय समाज से हैं, लेकिन उनकी राजनीतिक पृष्ठभूमि अलग-अलग रही है। वहीं, मनीषा सिंह भाजपा में आने से पहले प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (लोहिया) से जुड़ी थीं और 2017 में फतेहपुर सीकरी विधानसभा से चुनाव लड़ चुकी हैं।

देहली गेट से मदिया कटरा तक भीषण जाम

आगरा । आगरा में दिल्ली गेट से मदिया कटरा रोड जाम का नया प्वाइंट बन गया है। सोमवार शाम से लेकर रात तक यहां पर भीषण जाम लगा रहा। रात 8 बजे यहां सैकड़ों वाहन जाम में फंसे रहे। आलम ये रहा कि पुष्पांजलि हॉस्पीटल से मदिया कटरा तक करीब 500 मीटर जाने में आधा घंटा लग गया। जल्द निकलने की कोशिश में वाहन चालकों को भी परेशानी हुई।

नष्ट किए गए मंदिर हमें वापस मिलने चाहिए : शंकराचार्य

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा । वृंदावन के दावानल कुंड स्थित उड़िया बाबा आश्रम में द्वारका शारदा पीठ के शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती महाराज से श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष और मामले में हिंदू पक्षकार महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट ने मुलाकात की। इस दौरान शंकराचार्य ने कहा कि जिन मंदिरों को नष्ट किया गया, वे हिंदुओं को वापस मिलने चाहिए। उन्होंने हिंदू समाज से एकजुट होकर आगे बढ़ने का आह्वान किया।

शंकराचार्य ने महेंद्र प्रताप सिंह से उच्च न्यायालय में मंगलवार को होने वाली सुनवाई की कार्रवाई की जानकारी लौटकर देने को भी कहा।

मुलाकात के दौरान महेंद्र प्रताप सिंह ने शंकराचार्य को श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवाद में हिंदू पक्ष के दावों और अदालत में चल रही कानूनी कार्रवाई की जानकारी दी। उन्होंने दावा किया कि अलग-अलग



कालखंडों में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर को चार बार क्षतिग्रस्त किया गया। महेंद्र प्रताप सिंह के अनुसार, वर्ष 1670 में औरंगजेब के शासनकाल में मंदिर तोड़ा गया और मूल गर्भगृह स्थल पर शाही ईदगाह का निर्माण कराया गया। उन्होंने यह भी दावा किया कि भगवान के विग्रह आगरा ले जाकर जामा मस्जिद की सीढ़ियों में लगवा दिए गए थे। ये हिंदू पक्ष की ओर से किए गए दावे हैं। महेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि मूल गर्भगृह स्थल पर भव्य मंदिर निर्माण और आगरा से भगवान के विग्रह वापस लाने की मांग को लेकर उच्च न्यायालय में दो वाद दायर किए गए हैं।

सौरभ की मां ने पूजा-पाठ शुरू की ■ नीले ड्रम हत्याकांड में कल फैसला

'मुस्कान को फांसी नहीं हुई तो सुप्रीम कोर्ट जाएंगे'

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ । 'मेरे बेटे के हत्यारों को फांसी नहीं हुई तो हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। न्याय की लड़ाई का अंत तभी होगा, जब मुस्कान-साहिल को फांसी दी जाएगी। तभी सौरभ की आत्मा को शांति मिलेगी।'

ये बातें सौरभ की मां रेणू देवी ने बातचीत में कहीं। उन्होंने कहा- घर में विशेष पूजा-अर्चना चल रही है। हम भगवान से प्रार्थना करते हैं कि दोनों को फांसी हो।

सौरभ हत्याकांड में 14 अक्टूबर को मेरठ कोर्ट फैसला सुनाएगी। यह केस पूरे देश में 'नीले ड्रम' के नाम से मशहूर हुआ। सौरभ राजपूत की लाश उनके ही घर में नीले ड्रम में मिली थी। 30 सितंबर, 2026 को कोर्ट ने दोनों को दोषी मानते हुए फैसला सुरक्षित रख लिया था। सौरभ के बड़े भाई राहुल उर्फ बबलू ने कहा- मुस्कान की बड़ी बेटी पीहू अपने नाना-नानी के पास ही रहती है। वो लोग हमें पीहू से मिलने भी नहीं देते। दूसरी बच्ची, जिसे मुस्कान ने जेल में जन्म दिया है। वह सौरभ नहीं, साहिल की बेटी है। जब वो सौरभ की बेटी नहीं है, तो हम उसे क्यों अपने पास रखेंगे? बच्ची का चाहे जो हो, हमें उससे मतलब नहीं है। मुस्कान को फांसी हुई, तो उसकी बेटी चाहे जहां रहे, इसमें हम कुछ नहीं कर सकते। मुस्कान के पिता प्रमोद रस्तोगी ने फोन पर कहा- हम ऑनकैमरा कुछ भी बोलना नहीं चाहते। हमें मुस्कान से कोई मतलब नहीं। वो हमारे लिए उसी दिन मर गई थी, जब उसने सौरभ की हत्या की थी। हम किसी तरह अपनी जिंदगी को पटरी पर लाने की कोशिश में लगे हैं।





सौरभ की मां अपने बेटे के न्याय के लिए घर में विशेष पूजा-अर्चना कर रही हैं।

मां ने कहा- न्याय की लड़ाई जारी रखेंगे

रेणू ने कहा- हमें पूरी उम्मीद है कि कानून हमारा साथ देगा। दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। अगर मुस्कान-साहिल को फांसी नहीं हुई, तो हम अगली अदालतों में जाएंगे। हम चुप नहीं बैठेंगे, न्याय के लिए आगे दरवाजा खटखटाएंगे। हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट जाकर वहां अपनी लड़ाई लड़ेंगे। मुस्कान-साहिल को फांसी दी जाए, हम बार-बार अदालत से यही दरख्वास्त करेंगे।

मां बोली- 15 महीने से कोर्ट के चक्कर काट रही

सौरभ की मां रेणू देवी ने कहा- मैं पिछले 15 महीनों से कोर्ट के चक्कर काट रही हूं। हर तारीख पर कोर्ट में खुद मौजूद रही। पूरी प्रक्रिया को अपने सामने इस उम्मीद के साथ देखा कि बेटे सौरभ को न्याय मिलेगा। मुस्कान-साहिल दोनों को फांसी ही मिलनी चाहिए। उन दोनों ने जो क्राइम किया है, वो बदतर है। इसने पूरे समाज को हिलाकर रख दिया। इसी केस को देखकर और लड़कियों का हौसला बढ़ गया। वो भी नए-नए तरीकों से अपने पतियों को मार रही हैं। ऐसे में कोर्ट को एक नजीर पेश करते हुए मुस्कान-साहिल को फांसी की सजा देना चाहिए।

कानपुर में बदमाशों ने फार्म हाउस के बाथरूम में बंद किया, लॉकर से कैश-जेवर ले गए

भाजपा प्रदेश मंत्री के हाथ पैर बांधे, मुंह पर टेप चिपकाया

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में BJP पिछड़ा मोर्चा के प्रदेश मंत्री रमेश यादव के हाथ-पैर बांधकर 12 लाख रुपए लूट लिए गए। सोमवार आधी रात नकाबपोश बदमाश रमेश यादव के फार्म हाउस में घुसे। उन्हें बंधक बनाकर लूटपाट की, फिर बाथरूम में बंद करके भाग गए। वारदात शहर से 20 किलोमीटर दूर सेन पश्चिमपारा थाना क्षेत्र में हुई।

रमेश 1 अक्टूबर को BJP पिछड़ा मोर्चा के प्रदेश मंत्री बने थे। सोमवार को लखनऊ में पदभार ग्रहण करने के बाद वह रात 12:30 बजे कानपुर पहुंचे। घर से 500 मीटर दूर अपने फार्म हाउस में अकेले रुके थे। वहां 4 गार्ड तैनात थे। रात 1:20 बजे



रमेश यादव का फर्म हाउस 4 बीघे में बना है। यहां 50 से ज्यादा सीसीटीवी लगे हैं।

पुलिस को लूट की सूचना दी गई। एडिशन पुलिस कमिश्नर डॉ. विपिन ताडा और DCP दीपेंद्रनाथ चौधरी फोर्स के साथ पहुंचे। जांच में फार्म हाउस में घुसते हुए बदमाशों का CCTV फुटेज नहीं मिला। हालांकि, भागते समय 2 बदमाश कैमरे में कैद हुए हैं। दोनों वॉशबेसिन पर पैर रखकर टीन शेड के ऊपर से कूदकर भागे। दोनों ने काले रंग के कपड़े पहन रखे थे।

रमेश 2 बार ब्लॉक प्रमुख रह चुके हैं। उनकी पत्नी शशि भी ब्लॉक प्रमुख रही हैं। उन्होंने 2022 में बसपा के टिकट पर बिठूर सीट से विधानसभा चुनाव लड़ा था। रमेश यादव ने बताया- मेरे नौकर अभय राजपूत ने मुझे खाना खिलाया। इसके बाद करीब पौने 11 बजे वह सोने चला गया। उसके जाने के 15 मिनट बाद ही 2 बदमाश आए और मेरे सीने पर तमंचा लगा दिया।

डॉग स्क्वॉयड और फोरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य

वारदात के बाद मौके पर पहुंचे डॉग स्क्वॉयड ने घटनास्थल पर जांच की। डॉग स्क्वॉयड सबसे पहले फार्म हाउस में बने गार्डन की ओर गया। फिर उस कमरे में गया, जहां पर रमेश यादव को बंधक बनाया गया था। इसके बाद वह बाउंड्री वॉल के पीछे के खेत तक गया। पुलिस अनुमान लगा रही कि चोर पीछे के रास्ते से भागे हैं।



एडिशनल सीपी विपिन टाडा ने बाइक से घटनास्थल देखा

एडिशनल पुलिस कमिश्नर विपिन ताडा मौके पर पहुंचे। उन्होंने बाइक पर बैठकर पुलिसकर्मियों के साथ भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस जांच में सामने आया कि नकाबपोश दोनों बदमाश फार्म हाउस के चप्पे-चप्पे को अच्छी तरह जानते थे। इससे पुलिस फार्म हाउस में आने-जाने वाले लोगों की जानकारी जुटाने के साथ कुछ संदिग्धों से पूछताछ कर रही है। कहा जा रहा है कि पुलिस को बदमाशों की लोकेशन मिल चुकी है। फार्म हाउस में बने कमरे से सटा हुआ एक पेड़ लगा है। पेड़ पर जूते के रगड़ के निशान बने हैं। कहा जा रहा है कि बदमाश पेड़ के सहारे आए होंगे। फिर लूट की घटना को अंजाम देने के बाद वापस वॉशबेसिन में चढ़कर टीन शेड के रास्ते से कूदकर भाग निकले।

कॉरिडोर-2 पर मेट्रो का टेस्ट रन सफल हुआ

सीएसए से 10 की स्पीड में विजय नगर स्टेशन तक पहुंची मेट्रो

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर मेट्रो के कॉरिडोर-2 के पार्ट-वन में अंडरग्राउंड सेक्शन का काम पूरा होने के बाद मंगलवार को टेस्ट रन भी सफल रहा। अब कमिश्नर ऑफ मेट्रो रेलवे सेफ्टी (सीएमआरएस) की रिपोर्ट आने के बाद ट्रैक पर मेट्रो दौड़ाई जाएगी। फिलहाल इस रूट पर अभी अलग-अलग तरीकों से कई दिनों तक ट्रायल चलेगा। इसके बाद आंकड़ों का एनालिसिस करने के बाद सीएमआरएस अपनी रिपोर्ट देगा और हरी झंडी मिलने के बाद आम पब्लिक के लिए मेट्रो को दौड़ाया जाएगा।

कानपुर मेट्रो का कॉरिडोर-2 करीब 8.60 किलोमीटर लंबा है। यह चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (CSA) से बर्रा-8 तक बनाया जा रहा है। मूल परियोजना के अनुसार इसमें 8 स्टेशन प्रस्तावित हैं। इसमें पार्ट-1 में सीएसए से विजय नगर स्टेशन तक का काम पूरा हो गया है। इस वजह से मंगलवार को इस रूट पर मेट्रो ट्रेन का टेस्ट रन कराया गया और यह पूरी तरह से सफल भी रहा। मेट्रो के ट्रायल की शुरुआत कॉरिडोर-2 डिपो से हुई और ट्रेन 'डाउनलाइन' पर रावतपुर, काकादेव और डबल पुलिया स्टेशन होते हुए विजय नगर स्टेशन के निकट स्थित रैंप तक पहुंची, जहां से उसे वापस कॉरिडोर-2 डिपो लाया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (यूपीएमआरसी) के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।



पृष्ठ 01 का शेष...

'2029 में हार का...

उन्होंने दावा किया कि असम के नौगांव में भाजपा ने कांग्रेस से सीट छीन ली। पश्चिम बंगाल के नंदीग्राम में भाजपा उम्मीदवार की जीत और रेजीनगर में तृणमूल कांग्रेस से सीट जीतने का भी उन्होंने जिक्र किया। पुदुचेरी में एनडीए के साथ एआईएनआरसी के उम्मीदवार की जीत का हवाला देते हुए शाह ने कहा कि चुनावी नतीजे कांग्रेस के लिए आत्ममंथन का संकेत हैं। ये आंकड़े और चुनावी उदाहरण शाह ने अपने बयान में कांग्रेस की स्थिति पर सवाल उठाने के लिए दिए।

अमित शाह ने राजस्थान के स्थानीय निकाय चुनावों का भी जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ने नगर निगम की 90 फीसदी, नगर परिषद की 66 फीसदी और नगर पालिकाओं की 65 फीसदी सीटों पर जीत हासिल की। त्रिपुरा के ग्राम समिति चुनावों का उल्लेख करते हुए शाह ने कहा कि कुल 4,600 सीटों में से एनडीए को 4,000 सीटों पर जीत मिली। उन्होंने खास तौर पर कहा कि त्रिपुरा में ये चुनाव बैलेट बॉक्स से हुए थे। शाह ने उन लोगों पर निशाना साधा जो चुनावी हार के लिए चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाते हैं। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा में कांग्रेस 30 साल से नहीं जीती है, जबकि बंगाल में 56 साल से उसे जीत नहीं मिली है।

राहुल गांधी और...

शाह ने कहा कि कांग्रेस को अपनी रणनीति पर विचार करना चाहिए और 2029 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की बड़ी जीत के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने विश्वास जताया कि भाजपा और एनडीए नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में फिर प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में आएंगे। हालांकि, 2029 के चुनाव को लेकर शाह का यह बयान उनका राजनीतिक दावा है, न कि चुनाव परिणाम।

ज्ञानेश कुमार का...

CPI(M) नेता एमए बेबी ने कहा- भाजपा वोट, विरोध प्रदर्शन की जगह और लोकतंत्र को छीन रही है।

सरकार ने तय कर लिया है कि जंतर-मंतर का इस्तेमाल लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने के लिए नहीं किया जा सकता। हम सरकार की इस सोच को चुनौती देंगे।

नरेंद्र मोदी, अमित शाह, ज्ञानेश कुमार और अन्य लोगों को समझना होगा कि संविधान को नुकसान पहुंचाकर बच निकलना इतना आसान नहीं होगा। ऐसे लोगों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा

देश में लोकतंत्र को नष्ट कर दिया गया है। चुनावी व्यवस्था को तहस-नहस कर दिया गया है और संविधान को फाड़कर फेंक दिया गया है।

यह लड़ाई हमारे लिए नहीं, भारत के लोगों और उनके भविष्य के लिए है। हम सभी मिलकर देश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया बहाल करने के लिए अंत तक लड़ेंगे।

कोई भी संस्था अपनी भूमिका निभाए या न निभाए, राजनीतिक विरोध जारी रहेगा, जनता का संघर्ष जारी रहेगा और अंत में उसकी जीत होगी।

राहुल गांधी ने कहा- विपक्ष का संघर्ष जारी रहेगा और वह अपने लक्ष्य तक पहुंचकर रहेगा। उन्होंने कहा कि इसमें कल, परसों या दो साल भी लग जाएं, उनकी टीम रुकने वाली नहीं है।

उन्होंने कहा- जिस ऊर्जा, ताकत और एकजुटता के साथ हमने आंदोलन किया है, उसी भावना के साथ मिलकर लड़ते रहेंगे। AISA अध्यक्ष नेहा बोरा ने कहा- अगर BJP सोचती है कि वह लोकतंत्र की नींव पर हमला कर सकती है और जब लोग अपने वोटिंग अधिकारों की मांग के लिए सड़कों पर उतरें, तो उनका विरोध करने का अधिकार भी छीन लिया जाएगा और वे चुप रहेंगे, तो BJP गलत-फहमी में है।

केंद्रीय मंत्री मुरुगन...

एल मुरुगन के पिता लोगनाथन और मां वरुदम्मल गांव में अपने छोटे से घर में रहते हैं। वह अनुसूचित जाति के अरुंथथियार समुदाय से आते हैं। बेटे के केंद्रीय मंत्री बनने के बाद भी उनकी दिनचर्या में बदलाव नहीं आया था। गांव वाले बताते हैं कि बेटे के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष होने के बाद भी लोगनाथन कोरोना महामारी के टीके के लिए आम लोगों की तरह कतार में लगे थे। मुरुगन की मां वरुदम्मल ने तब कहा था, 'हमने अपने बेटे का भविष्य बनाने के लिए कुछ नहीं किया, लेकिन आज उसने जो जगह कमाई है, वह उसी की मेहनत हैं। हमें उस पर गर्व है। हम खेतों में काम कर रहे थे। मंत्री बनने की खबर सुनने के बाद भी दोनों ने काम रोका नहीं था।'

आशुतोष रांका और...

उन्होंने 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन बुलाया था, लेकिन पहुंच नहीं पाए थे। CJP के फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा- तिरंगा लहराना कब से वायलेशन हो गया? जो भी ये सोचता है तिरंगा लहराना जंतर-मंतर पर वायलेशन है, वो देशद्रोही है।

उन्होंने आगे कहा कि हमारे ही देश में, भारत देश में तिरंगा लहराना कानून का उल्लंघन कब से हो गया? यह तानाशाह मानसिकता का सबसे बड़ा उदाहरण है।

अब माफियाओं की...

अब तक ग्राम प्रहरियों को 2500 रुपए मिलते थे, जिसे बढ़ाकर 3500 रुपए कर दिया गया है। इसके साथ उन्हें और उनके परिवार को 5 लाख तक कैशलेस इलाज की सुविधा भी दी जाएगी।

योगी ने कहा- बोर्ड परीक्षा की तारीख घोषित हो गई है। मुख्य परीक्षा सिर्फ 14 दिन में पूरी हो जाएगी। अगले 14 दिन के अंदर रिजल्ट आ जाएगा। पहले 6 महीने लगते थे। तीन महीने परीक्षा में, 3 महीने परिणाम आने में। पहले जो सरकार थी, वो भी कछुआ चाल चलती थी। केचुए की तरह रेंगते थे। अब बुलेट ट्रेन की स्पीड वाली सरकार है, डबल इंजन की सरकार है। फैसले भी बुलेट इंजन की तरह होते हैं। सीएम ने कहा- MLC प्रत्याशी डॉ. हरि सिंह ढिल्लो ने कहा कि हमारे शिक्षकों को कैशलेस की सुविधा मिलनी चाहिए तो हमने कहा कि ये भी कोई मांगने की बात है, ये हमारा दायित्व है। मांगने की जरूरत नहीं पड़ेगी, हम स्वयं देंगे। सरकार आगे चलने दीजिए, CBSE वालों को भी देंगे।

योगी ने कहा- गोरखपुर में हम लोग पं. रामप्रसाद बिस्मिल के बलिदान दिवस के कार्यक्रम को आयोजित करते थे। सपा की सरकार थी। उनके माध्यमिक शिक्षा के मंत्री को गोरखपुर के कुछ लोगों ने एक कार्यक्रम में बुलाया। एक तरफ उनका कार्यक्रम चल रहा था, दूसरी तरफ हमारा चल रहा था। मंत्रीजी मंच पर गए तो उन्होंने धन्यवाद दिया और कहा कि उस्ताद बिस्मिल्लाह खां के जन्मदिन पर हमें बुला लिया, उन्होंने बहुत बड़ा काम किया था। सामने एक व्यापारी बैठा था। उसने कहा कि साहब ये पं. रामप्रसाद बिस्मिल हैं। तो मंत्री ने कहा- लगता है तुम भाजपाई हो, तभी तुम पंडित बोल रहे हो। ऐसा शिक्षामंत्री होगा शिक्षा को कहां ले जाएगा।

ग्राम प्रहरियों का...

कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष दिलीप देव पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष साधूराम वर्मा, जिलाधिकारी ईशा प्रिया और पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह मौजूद रहे। अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी देवेश चतुर्वेदी, क्षेत्राधिकारी नगर सहित अन्य पुलिस अधिकारी और कर्मचारी भी शामिल हुए।

सम्मानित ग्राम चौकीदारों में अकबरपुर से रामप्रसाद और दीनानाथ, बेवाना से छठू और फूलमती, सम्मनपुर से राम सुरेश और पवन, बसखारी से दिनेश तिवारी और बासमती तथा टांडा से मस्तराम और राधेश्याम शामिल रहे। अलीगंज से सुभाष चंद्र और रामजस, इब्राहिमपुर से प्रदीप कुमार और बेचू, हंसवर से जगरूप और जवाहरलाल तथा जलालपुर से विजय और सुरेंद्र को भी सम्मानित किया गया।

चीन ने लद्दाख की 28...

माओ के मुताबिक, भारत के इस फैसले से सीमा के पश्चिमी हिस्से में उन इलाकों पर चीन का दावा नहीं बदल सकता, जिन्हें वह अपना क्षेत्र मानता है।

चीन की आपत्ति पर भारत ने भी जवाब दिया है। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि लद्दाख भारत का हिस्सा है।

मेंस कैटेगरी में सबसे ज्यादा, विमेंस में शेफाली वर्मा को चुना गया

गिल 5वीं बार आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ बने

सेंचुरी

नई दिल्ली, एजेंसी

टीम इंडिया के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल को सितंबर का ICC प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है। यह पांचवीं बार है, जब गिल ने यह अवॉर्ड जीता है। उन्होंने अभिषेक शर्मा और जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा को पीछे छोड़ा।

27 साल के गिल सबसे ज्यादा बार यह अवॉर्ड जीतने वाले क्रिकेटर बने हैं। वे मेंस कैटेगरी में भी सबसे ज्यादा बार यह पुरस्कार जीतने वाले क्रिकेटर भी हैं।

विमेंस कैटेगरी में भारतीय ओपनर शेफाली वर्मा को प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया। उन्होंने अपनी साथी



खिलाड़ी श्री चरणी और श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू को पछाड़कर यह अवॉर्ड जीता। ICC के अवॉर्ड पर BCCI की पोस्ट

ICC ने गिल ने पांचवीं बार इस अवॉर्ड को अपने नाम किया। इससे पहले वे 2023 में जनवरी, सितंबर और 2025 में फरवरी और जुलाई में यह पुरस्कार जीत चुके हैं।

गिल ने पिछली बार पिछले साल जुलाई में अवॉर्ड जीता। विमेंस प्लेयर्स में ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर और वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज भी 4-4 बार यह अवॉर्ड जीत चुकी हैं।

> भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने सितंबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ 3 वनडे में 334 रन बनाए। उन्होंने पहले वनडे में 110 रन की पारी खेली। इसके बाद दूसरे वनडे में 133 गेंदों पर 223 रन बनाए। यह वनडे इतिहास की सबसे तेज डबल सेंचुरी है।



शेफाली को दूसरी बार अवॉर्ड मिला

शेफाली वर्मा को दूसरी बार ICC प्लेयर ऑफ द मंथ का अवॉर्ड मिला है। इससे पहले उन्हें पिछले साल नवंबर में इस पुरस्कार के लिए चुना गया था।

शेफाली ने सितंबर में 360 रन बनाने के साथ 6 विकेट भी लिए। वह महिला एशिया कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज रहीं। एशियन गेम्स के सेमीफाइनल में उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ नाबाद 100 रन बनाए, जबकि फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ 48 रन की पारी खेली।

ICC प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड

इंटरनेशनल क्रिकेट कमेटी का एक विशेष पुरस्कार है। इसका उद्देश्य हर महीने इंटरनेशनल क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में पुरुष और महिला क्रिकेटर्स के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को सम्मानित करना है।

शुरुआत कब हुई?

इस अवॉर्ड की शुरुआत जनवरी 2021 में हुई थी। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत मेंस कैटेगरी में इसे जीतने वाले पहले खिलाड़ी बने थे। वहीं, महिला कैटेगरी का पहला अवॉर्ड साउथ अफ्रीका की शबनीम इस्माइल को मिला।

प्लेयर्स का चयन

- हर महीने के आखिर में अवॉर्ड नॉमिनेशन कमेटी प्रदर्शन और आंकड़ों के आधार पर 3 पुरुष और 3 महिला खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट करती है।
- विजेताओं का फैसला स्वतंत्र वोटिंग सिस्टम से होता है। 90% हिस्सेदारी वाली वोटिंग एकेडमी में वरिष्ठ पत्रकार, पूर्व खिलाड़ी, कमेंटेटर्स और ICC हॉल ऑफ फेम के मेंबर्स शामिल होते हैं। 10% हिस्सेदारी फैंस की होती है।
- वोटिंग के बाद हर महीने के दूसरे अप्ताह में ICC अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर उस महीने के सर्वश्रेष्ठ पुरुष और महिला खिलाड़ी के नाम घोषित करती है।

शमी को न्यूजीलैंड सीरीज में मौका मिले : पूर्व सिलेक्टर

विंडीज के खिलाफ बुमराह की कमी खली, भुवी का चयन सही



नई दिल्ली। पूर्व चीफ सिलेक्टर एमएसके प्रसाद ने भारतीय टेस्ट और वनडे टीम में तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की वापसी की वकालत की है। उन्होंने भुवनेश्वर कुमार की टीम इंडिया में वापसी का सपोर्ट भी किया।

प्रसाद ने कहा कि भुवनेश्वर ने पिछले दो IPL सीजन में 45 विकेट लिए हैं। जबकि, शमी ने नए रणजी ट्रॉफी सीजन में दिल्ली के खिलाफ चार विकेट लेकर अपनी फिटनेस और फॉर्म साबित की है।

भारत का न्यूजीलैंड दौरा ऑल-फॉर्मेट है। टी20 टीम घोषित हो चुकी है, जबकि वनडे और टेस्ट टीम का ऐलान बाकी है। 6 अक्टूबर को टी-20 टीम में भुवनेश्वर कुमार को मौका दिया गया है। भारत का न्यूजीलैंड दौरा 22 अक्टूबर से शुरू होगा। प्रसाद का मानना है कि 3 वनडे वर्ल्ड कप में उनका रिकॉर्ड और लगातार अच्छा प्रदर्शन उन्हें एक और मौका दिलाने के लिए काफी है। प्रसाद ने कहा कि जसप्रीत बुमराह के बाहर रहने पर भारत को अनुभव की कमी खली है। मैं उन्हें न्यूजीलैंड सीरीज में देखना चाहता हूं। मैं उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की सीरीज में भी देखना चाहूंगा।' प्रसाद का कहना है कि चयनकर्ताओं को अनुभवी खिलाड़ियों को किसी बड़ी सीरीज के करीब आने तक इंतजार नहीं कराना चाहिए। अगर ऐसा करना है, तो उन्हें अभी से मौके देने शुरू करने चाहिए। बंगाल के इस तेज गेंदबाज ने नए रणजी ट्रॉफी सीजन की शुरुआत दिल्ली के खिलाफ चार विकेट लेकर की। शमी ने इस मैच में 17.3 ओवर गेंदबाजी की।

टीम इंडिया के पूर्व फील्डिंग कोच श्रीधर की चेतावनी

न्यूजीलैंड की ठंड और हवा से फील्डिंग कठिन होगी, 22 अक्टूबर से सीरीज

नई दिल्ली, एजेंसी

टीम इंडिया के पूर्व फील्डिंग कोच आर. श्रीधर ने चेतावनी दी है कि न्यूजीलैंड दौरे पर भारत की फील्डिंग कमजोरियां बढ़ सकती हैं।

श्रीधर ने कहा- 'ठंड और तेज हवा के बीच फील्डिंग मुश्किल होगी। इसके लिए खिलाड़ियों को मुश्किल परिस्थितियों में खुद को ढालना होगा।' भारत का न्यूजीलैंड दौरा 22 अक्टूबर को हेग्ले ओवल में पहले T20I से शुरू होगा। इसके बाद 4 नवंबर से ODI सीरीज और 19 नवंबर से वेलिंगटन में टेस्ट सीरीज शुरू होगी।

श्रीधर भारतीय टीम के कैच छोड़ने की समस्या से चिंतित हैं। उन्होंने फील्डिंग में एक टीम कल्चर बनाने की जरूरत बताई। भारत ने



बल्लेबाजी और गेंदबाजी में अपनी पहचान बनाई है, लेकिन कैच छोड़ने और मौके गंवाने की समस्या लगातार बनी हुई है।

श्रीधर ने सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क की ओर से आयोजित वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मुझे लगता है कि हमारे फील्डरों को ढलना होगा। जैसा कि आप जानते हैं, एल नीनो, सुपर एल नीनो के कारण इस साल भारत में अक्टूबर बहुत गर्म रहा है।' उन्होंने कहा, 'हमारे फील्डरों, गेंदबाजों और बल्लेबाजों को काफी बदलाव के लिए तैयार रहना होगा। न्यूजीलैंड की परिस्थितियां फील्डरों के लिए मुश्किल हो सकती हैं। वेलिंगटन तेज हवाओं के लिए जाना जाता है। जबकि, क्राइस्टचर्च में वसंत के दौरान सुबह और शाम ठंडी हो सकती हैं। श्रीधर ने कहा कि भारतीय खिलाड़ियों को ठंड के कारण गेंद पकड़ने में परेशानी न हो। इसके लिए हाथों को गर्म रखना होगा।खासकर वेलिंगटन में, जहां बहुत तेज हवा चल सकती है, ऊंचे कैच हमेशा चुनौती बन सकते हैं।' उन्होंने कहा- अगर आप क्राइस्टचर्च में हैं, तो हेग्ले ओवल एक शानदार, हरा-भरा क्रिकेट मैदान है और वहां बहुत ठंड हो सकती है।'

एक घंटे की देरी से शुरू हुआ, अल नासर 3-1 जीता, सऊदी ने हूतियों की मिसाइल गिराई

रोनाल्डो का मैच मिसाइल हमले से प्रभावित

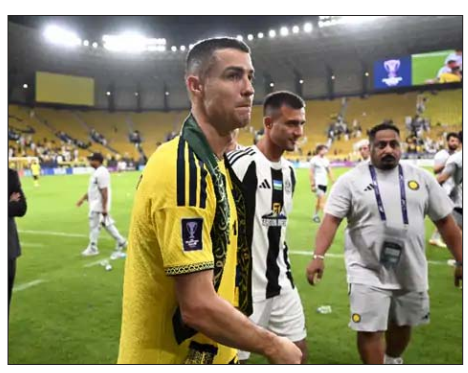


रियाद, एजेंसी

सऊदी अरब के रियाद में हूती विद्रोहियों के मिसाइल हमले के खतरे के कारण एशियन फुटबॉल चैंपियंस ट्रॉफी का मैच एक घंटे देरी से शुरू हुआ। मुकाबले में क्रिस्टियानो रोनाल्डो की टीम अल नासर ने नफ्तची फरगाना को 3-1 से हराया।

सऊदी लीडरशिप वाले सैन्य गठबंधन ने कहा कि उसने रियाद की ओर दागी गई हूतियों की बैलिस्टिक मिसाइल को रोककर नष्ट कर दिया।

मैच अल-अव्वल पार्क में



स्थानीय समयानुसार रात 9:15 बजे (1815 GMT) शुरू होना था। मुकाबला रात 10:15 में शुरू हो सका। रोनाल्डो ने पहले हाफ के अंत से ठीक पहले अपने करियर का 981वां गोल किया। पुर्तगाली फुटबॉल फेडरेशन ने टीम से बाहर जाने के मामले में क्रिस्टियानो रोनाल्डो को 3 मैच के लिए सस्पेंड किया है। फेडरेशन ने उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई भी शुरू की। यह मामला फेडरेशन की अनुशासनात्मक जांच समिति को भेजा गया है। फेडरेशन ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि जांच पूरी होने तक उसके निष्कर्ष गोपनीय रहेंगे।

मैच से पहले धमाके की आवाज

मैच से कुछ देर पहले AFP के संवाददाताओं ने रियाद में धमाकों की आवाज सुनी। इसी दौरान शहर के लोगों के फोन पर हवाई खतरे का अलर्ट भी आया।

अलर्ट में कहा गया, 'यह इलाका हवाई हमले के खतरे में है। कृपया शांत रहें और घर या किसी सुरक्षित जगह पर रहें। खिड़कियों और दरवाजों से दूर रहें। सिविल डिफेंस के निर्देशों का पालन करते रहें।'

टीवी में एक घंटे देरी से प्रसारण हुआ

स्टेडियम के उद्घोषक ने कहा कि स्थिति सुरक्षित है और मैच खेला जाएगा। उन्होंने दर्शकों से अपनी सीटों पर बने रहने की अपील की। हालांकि, मैच का प्रसारण कर रहे टेलीविजन चैनल ने मुकाबला एक घंटे देर से शुरू होने की जानकारी दी। इसके बाद गठबंधन ने X पर जारी बयान में हूतियों की ओर से दागी गई बैलिस्टिक मिसाइल को "रोककर नष्ट" करने की बात कही। इसके अलावा, रियाद एयरपोर्ट पर भी कई जानलेवा हमले हुए हैं।



गोल सेलिब्रेट करते क्रिस्टियानो रोनाल्डो।

मनोरंजन

'ब्रेकिंग बैड' एक्टर आरजे मिटे ने किया सुसाइड

34 साल उम्र थी, अमेरिकी सीरीज में वॉल्टर व्हाइट जूनियर का किरदार निभाया था

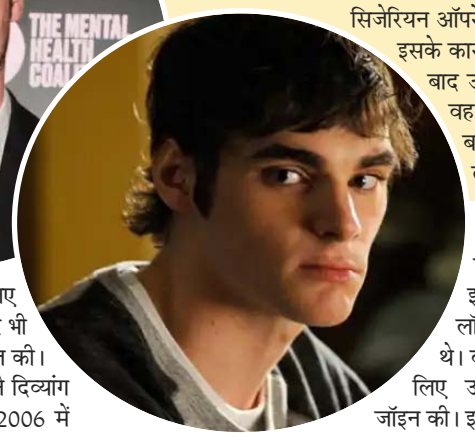
> उन्होंने हॉलीवुड में दिव्यांग कलाकारों के अधिकारों के लिए आवाज उठाने का काम भी किया था।



नई दिल्ली। मशहूर अमेरिकी टीवी सीरीज 'ब्रेकिंग बैड' में वॉल्टर व्हाइट के बेटे यानी व्हाइट जूनियर का किरदार निभाने वाले एक्टर आरजे मिटे का 34 साल की उम्र में निधन हो गया।

अमेरिकी एंटरटेनमेंट वेबसाइट TMZ ने आरजे मिटे के रिप्रेजेंटेटिव के हवाले से बताया कि एक्टर ने सोमवार को टेक्सास में आत्महत्या की। 'ब्रेकिंग बैड' के अलावा मिटे ने 'द ओक रूम', 'ट्रायम्फ', 'द गार्डियंस ऑफ जस्टिस' और 'द अनसीन' जैसी फिल्मों और सीरीज में काम किया। 2019 में आई फिल्म 'स्टैंडिंग अप फॉर सनी' में उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई थी। मिटे को तीन साल की उम्र में सेरेब्रल पल्सी होने का पता चला। सेरेब्रल पल्सी का मतलब है कि उन्हें बचपन से चलने-फिरने और शरीर की गतिविधियों को नियंत्रित करने में परेशानी होती थी। डॉक्टरों ने उनके पैरों को सीधा करने के लिए छह महीने तक प्लास्टर लगाया था। बचपन में वह पैरों में सपोर्ट लगाने वाले उपकरणों और बैसाखियों की मदद से चलते थे। हालांकि, खेल और एक्सरसाइज की मदद से उनका शरीर धीरे-धीरे मजबूत होता गया। टीनएज तक आते-आते उन्हें चलने में मदद करने वाली इन चीजों की जरूरत नहीं रही। जब मिटे 13 साल के थे, तब उनकी मां लकवाग्रस्त हो गईं। इसके बाद उन्होंने परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी संभालनी शुरू कर दी। उस समय उनकी छोटी बहन भी परिवार का हिस्सा थीं। जिसके बाद उन्होंने कम उम्र में परिवार की मदद के लिए काम करना शुरू किया। 2015 में मिटे को यूनाइटेड सेरेब्रल पाल्सी का सेलिब्रिटी एंबेसडर भी बनाया गया। उन्होंने दिव्यांग कलाकारों को मनोरंजन जगत में ज्यादा मौके देने की वकालत की। 2015 में मिटे को यूनाइटेड सेरेब्रल पाल्सी का सेलिब्रिटी एंबेसडर भी बनाया गया। उन्होंने दिव्यांग कलाकारों को मनोरंजन जगत में ज्यादा मौके देने की वकालत की। आरजे मिट्टे साल 2006 में





जन्म के समय हालत काफी गंभीर थी

आरजे मिटे का पूरा नाम रॉय फ्रैंक मिटे तृतीय था। उनका जन्म 21 अगस्त 1992 को अमेरिका के मिसिसिपी राज्य के जैक्सन शहर में हुआ था। जन्म के समय उनकी हालत गंभीर थी। उन्हें इमरजेंसी सिजेरियन ऑपरेशन से पैदा किया गया था। जन्म के समय वह सांस नहीं ले रहे थे। इसके कारण उनके दिमाग को स्थायी नुकसान पहुंचा था। जन्म के कुछ हफ्तों बाद उन्हें रॉय फ्रैंक मिटे जूनियर और डायना मिटे ने गोद लिया था। जब वह सिर्फ दो महीने के थे, तब उनके माता-पिता अलग हो गए। इसके बाद उनकी मां ने उनकी परवरिश की। उनका बचपन लुइसियाना के लाफायेट और टेक्सास के ऑस्टिन शहरों में बीता।

अपनी छोटी बहन के एक्टिंग करियर और इलाज के सिलसिले में लॉस एंजिल्स शिफ्ट हुए थे। वहां नए दोस्त बनाने के लिए उन्होंने एक्टिंग क्लास जॉइन की। इसके बाद उन्होंने 'हन्ना मोंटाना' जैसे शोज में बैकग्राउंड एक्स्ट्रा के तौर पर काम किया। इसी दौरान उन्हें टीवी सीरीज 'ब्रेकिंग बैड' में वॉल्टर व्हाइट के बेटे वॉल्टर जूनियर का रोल मिला। शो के क्रिएटर विंस गिलीगन इस किरदार के लिए ऐसे एक्टर की तलाश में थे, जिसे असल जिंदगी में सेरेब्रल पाल्सी हो।

बोले- मैं सच में इम्प्रेस हूं, फिल्म की कमाई 489.74 करोड़ रुपए के पार

मोहनलाल ने अजय देवगन की 'दृश्यम 3' की तारीफ की

नई दिल्ली, एजेंसी

साउथ सुपरस्टार मोहनलाल ने सोमवार को अजय देवगन की फिल्म 'दृश्यमः द कन्क्लूजन' यानी 'दृश्यम 3' की तारीफ की। उन्होंने फिल्म की कहानी देखकर कहा कि वे इससे बहुत प्रभावित हुए। गौरतलब है कि अजय देवगन की 'दृश्यम' और 'दृश्यम 2' मोहनलाल की ओरिजिनल मलयालम फिल्मों की आधिकारिक हिंदी रीमेक थीं। वहीं, अजय देवगन की 'दृश्यम 3' मोहनलाल की मलयालम फिल्म की रीमेक नहीं है। 'दृश्यमः द कन्क्लूजन' बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। फिल्म को लेकर देशभर में चर्चा जारी है और इसे



> प्रोडक्शन हाउस स्टार स्टूडियोज18 ने मोहनलाल का वीडियो अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया। उन्होंने लिखा, "आपकी सराहना के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद, मोहनलाल सर।"

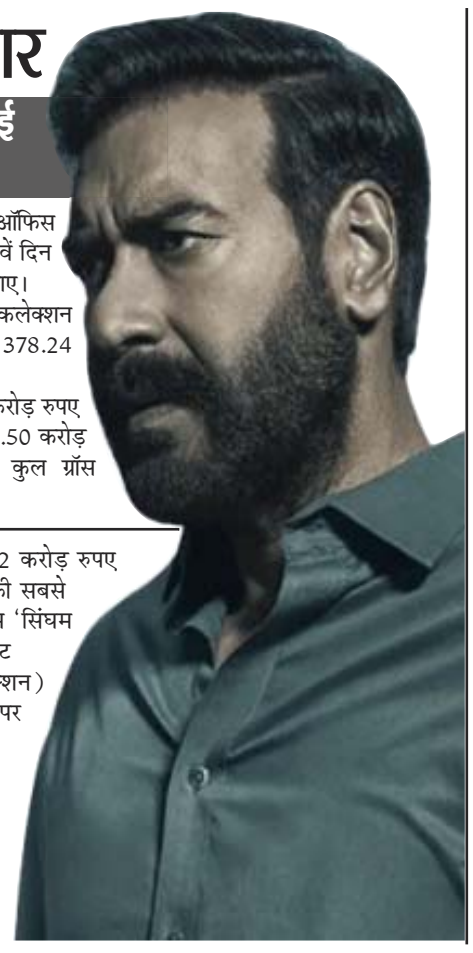
दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। फिल्म देखने के बाद मोहनलाल ने इसकी टीम के लिए खास मैसेज शेयर किया। उन्होंने कहा, "मैंने 'दृश्यमः द कन्क्लूजन' देखी। जिस तरह से उन्होंने इस पसंदीदा कहानी को शानदार अंत तक पहुंचाया, उससे मैं सच में इम्प्रेस हूं।" उन्होंने आगे कहा, "अभिषेक पाठक, कुमार मंगत पाठक, अजय देवगन और पूरी कास्ट-क्रू को बहुत अच्छा काम करने के लिए बधाई।" 'दृश्यम 3' अजय देवगन के करियर की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई। फिल्म ने 2 अक्टूबर 2026 को रिलीज के पहले दिन भारत में 62 करोड़ रुपए नेट कमाए। यह अजय देवगन के करियर की सबसे बड़ी ओपनिंग थी। इससे पहले उनकी फिल्म 'सिंघम अगेन' ने पहले दिन 43.50 करोड़ रुपए नेट कमाए थे। घरेलू बॉक्स ऑफिस (नेट कलेक्शन) और वर्ल्डवाइड कलेक्शन, दोनों ही पैमानों पर यह साल 2026 की दूसरी सबसे बड़ी हिंदी फिल्म बनी हुई है (पहले स्थान पर 'धुरंधर 2: द रिवेंज' है)। अभिषेक पाठक के निर्देशन में बनी 'दृश्यमः द कन्क्लूजन' में अजय देवगन, तब्बू, श्रिया सरन, रजत कपूर, जयदीप अहलावत और प्रकाश राज मुख्य भूमिकाओं में हैं।

फिल्म की दुनियाभर में कमाई 489 करोड़ के पार

फिल्म 'दृश्यम 3: द कन्क्लूजन' बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई कर रही है। रिलीज के 11वें दिन फिल्म ने भारत में 6.25 करोड़ रुपए नेट कमाए।

इसके साथ ही भारत में फिल्म का कुल नेट कलेक्शन 315.25 करोड़ रुपए और ग्रॉस कलेक्शन 378.24 करोड़ रुपए हो गया।

वहीं, विदेशों में 11वें दिन फिल्म ने 2.50 करोड़ रुपए कमाए। इससे विदेशों में कुल ग्रॉस कमाई 111.50 करोड़ रुपए पहुंच गई। फिल्म का दुनियाभर में कुल ग्रॉस कलेक्शन अब 489.74 करोड़ रुपए हो गया।



नुसरत भरूचा ने सर्जरी के बाद दिखाई अपनी हालत

हादसे के बाद शेयर किया हेल्थ अपडेट



मुंबई। एक्ट्रेस नुसरत भरूचा ने बाली में हुए हादसे के बाद रीढ़ की हड्डी की सर्जरी कराई है। सर्जरी के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी पहली हेल्थ अपडेट शेयर की है। सामने आए वीडियो में नुसरत कुर्सी पर बैठी नजर आ रही हैं। उनके हाथ में कई ड्रिप्स लगी हैं और नर्स उन्हें खाना खिला रही है।

नुसरत भरूचा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह टीवी पर शाहरुख खान और काजोल का गाना देख रही हैं। इस दौरान उनके हाथ में कई ड्रिप्स लगी हुई दिखाई दे रही हैं और नर्स उन्हें खाना खिला रही है।

इससे पहले एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर खिड़की के पास रखी खाली रिक्लाइनिंग व्हीलचेयर की तस्वीर शेयर की थी। तस्वीर में दूर सूर्यास्त का नजारा दिखाई दे रहा था। इसके साथ उन्होंने लिखा था, 'हमेशा से सनसेट का पीछा करती रही हूं, और अचानक मेरा नजारा बदल गया। लेकिन, पिक्चर अभी बाकी है मेरे दोस्त।'

नुसरत भरूचा काम और छुट्टियां बिताने के लिए बाली गई थीं, जहां वह एक हादसे का शिकार हो गईं। उनकी टीम की ओर से जारी बयान के मुताबिक, इस दुर्घटना में उनकी रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर हो गया था। इलाज के लिए उन्हें हवाई जहाज से मुंबई लाया गया था। साल 2023 में नुसरत भरूचा के शूटिंग के दौरान घायल होने की दो घटनाएं सामने आई थीं।

कराची से पेशावर जा रही थी, 5 साल में 500 से ज्यादा रेल हादसे पाकिस्तान में रेल हादसों का सिलसिला पुराना

पाकिस्तान में ट्रेन पटरी से उतरी 6 की मौत 30 घायल

दुर्घटना

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में मंगलवार सुबह कराची से पेशावर जा रही रहमान बाबा एक्सप्रेस पटरी से उतर गई। हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 लोग घायल हुए हैं। ट्रेन सुबह करीब 5:15 बजे शेर शाह इलाके में पटरी से उतरी। रेस्क्यू अधिकारियों के मुताबिक, 13 डिब्बों को हादसे वाली जगह से हटा दिया गया है।

पाकिस्तान में रेलवे की खराब हालत, पुराने ट्रैक और सिग्नल सिस्टम की समस्याओं के बीच कई बड़े रेल हादसे हो चुके हैं। कुछ हादसों में दर्जनों, तो कुछ में 100 से ज्यादा लोगों की जान गई।



13 जुलाई 2005: तीन यात्री ट्रेनें आपस में टकरा गई थीं। हादसे में कम से कम 130 लोगों की मौत हुई और करीब 170 लोग घायल हुए।

19 दिसंबर 2007: कराची एक्सप्रेस के 16 डिब्बे पटरी से उतर गए थे। हादसे में 50 लोगों की मौत हुई और 200 से ज्यादा लोग घायल हुए।

11 जुलाई 2019: क्वेटा जा रही अकबर एक्सप्रेस एक मालगाड़ी से टकरा गई थी। हादसे में कम से कम 21 लोगों की मौत हुई और 85 लोग घायल हुए। शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रेन का ट्रैक बदलने में देरी हादसे की वजह बनी थी।

31 अक्टूबर 2019: तेजगाम एक्सप्रेस के तीन डिब्बों में आग लग गई थी। इस हादसे में 74 लोगों की मौत हुई और 40 से ज्यादा लोग घायल हुए। अधिकारियों के मुताबिक, यात्रियों के खाना बनाने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे गैस सिलेंडर में धमाके के बाद आग लगी थी।

पाकिस्तान में रेल हादसों का सिलसिला पुराना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले 5 साल में देश में 500 से ज्यादा रेल हादसे दर्ज किए गए हैं।



रहमान बाबा एक्सप्रेस पटरी से कैसे उतरी इसकी वजह सामने नहीं आई है।

प्रधानमंत्री शहबाज ने रेस्क्यू ऑपरेशन तेज करने को कहा

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हादसे में घायल यात्रियों को लेकर चिंता जताई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को रेस्क्यू ऑपरेशन तेज करने का निर्देश दिया।

उन्होंने अधिकारियों से घायलों को बिना देरी के बेहतर से बेहतर इलाज मुहैया कराने को भी कहा।

ट्रेन के पटरी से उतरने की वजह अभी आधिकारिक तौर पर सामने नहीं आई है। रेस्क्यू ऑपरेशन आगे बढ़ने के साथ पाकिस्तान रेलवे और संबंधित अधिकारी ज्यादा जानकारी दे सकते हैं।

पांच साल में 537 रेल हादसे

पाकिस्तान की सरकारी समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस ऑफ पाकिस्तान (APP) की जून 2024 की रिपोर्ट के मुताबिक, देश में 2019 से 2023 के बीच कुल 537 रेल हादसे दर्ज किए गए। इनमें से 313 हादसों में लोगों की मौत हुई या उन्हें गंभीर चोटें आईं। रिपोर्ट के मुताबिक, 2019 में 159, 2020 में 145, 2021 में 87, 2022 में 62 और 2023 में 84 रेल हादसे दर्ज किए गए। अधिकारियों ने बताया था कि इन पांच सालों में करीब 32% हादसे बिना कर्मचारी वाले रेलवे क्रॉसिंग पर हुए।

28 फरवरी 2020: कराची से आ रही पाकिस्तान एक्सप्रेस एक बस से टकरा गई थी। हादसे में कम से कम 19 लोगों की मौत हुई और 30 से ज्यादा लोग घायल हुए।

आईएमएफ ने भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान बढ़ाया

2026 और 2027 के लिए 7% किया

नई दिल्ली, एजेंसी

इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड यानी IMF ने साल 2026 के लिए भारत की विकास दर के अनुमान को 6.4% से बढ़ाकर 7% कर दिया है। दुनियाभर में तनाव-सुस्ती और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बावजूद मजबूत घरेलू मांग और सर्विसेज सेक्टर के बेहतर प्रदर्शन की वजह से भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है।

IMF का यह अनुमान भारत को उन कई एनर्जी-इंपोर्ट करने वाले उभरते देशों से अलग खड़ा करता है, जो सुस्ती का सामना कर रहे हैं। IMF ने अपनी अक्टूबर 2026 'वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक' रिपोर्ट में कहा कि भारत पॉजिटिव बदलावों के साथ सबसे अलग नजर आ रहा है, जो देश की मजबूत ग्रोथ क्षमता को दर्शाता है।

IMF ने 2026 के लिए भारत



की ग्रोथ के अनुमान में जुलाई के मुकाबले 0.6% और अप्रैल के मुकाबले 0.5% की बढ़ोतरी की है। वहीं साल 2027 के लिए भी ग्रोथ अनुमान को बढ़ाकर 7% कर दिया गया है, जो जुलाई से 0.3% और अप्रैल से 0.5% ज्यादा है।

IMF से पहले वर्ल्ड बैंक और OECD जैसी प्रमुख ग्लोबल एजेंसियां भी भारत के विकास दर अनुमान को बढ़ाकर 7% के आसपास कर चुकी हैं। IMF की रिसर्च डायरेक्टर और इकोनॉमिक काउंसलर सिल्वाना तेनरेरो के मुताबिक, नेट एनर्जी इंपोर्टर होने के बावजूद एशियाई सेक्टर में जबरदस्त मजबूती दिखी है।

फास्ट न्यूज

'ब्रेग्जिट जनमत में रूस ने दिया था दखल'

लंदन। ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम एक सनसनीखेज दावा किया है कि साल 2026 में यूरोपीय यूनियम से अलग होने के ऐतिहासिक ब्रेग्जिट जनमत संग्रह में रूस में दखल दिया था। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि यह दखल कैसे हुआ, न ही उन्होंने अपने दावे का कोई सबूत ही दिया। उन्होंने जर्मनी और फ्रांस के मतदाताओं को भी रूस से आगाह किया है। आपको बता दें कि रूस पर अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव को प्रभावित करने के आरोप लग चुके हैं।

जापान में 30 टन वजनी और 160 मीटर लंबी रस्सी खींचने की होड़

टोक्यो। जापान के नाहा में पारंपरिक ग्रेट टग-ऑफ-वॉर प्रतियोगिता में हजारों लोगों ने 160 मीटर लंबी और 30 टन वजनी रस्सी खींची। यह परंपरा 15वीं सदी से चली आ रही है। लोग अच्छी फसल, सेहत और संतान सुख की कामना के लिए जुटते थे उत्सव में पूर्व और पश्चिम की टीमें मुकाबला करती हैं। रस्सी को 5 मीटर खींचना या 30 मिनट में दूसरी टीम से ज्यादा दूरी तक खींचने पर जीत होती है। रस्सी के छोटे हिस्से काटकर घर ले जाना भी परंपरा है। इस साल करीब 10 मिनट तक ये मुकाबला चला, लेकिन मैच ड्रॉ हो गया।

साउथ कोरिया के सुपरमार्केट में चाकूबाजी

सियोल। साउथ कोरिया के इंचियोन शहर में एक सुपरमार्केट में चाकूबाजी की घटना हुई। पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि सुपरमार्केट में चाकूबाजी की घटना में 8 लोग घायल हो गए। जिसमें एक व्यक्ति को कार्डियक अरेस्ट आया। पुलिस के एक प्रवक्ता ने न्यूज एजेंसी रॉयटर्स को जानकारी देते हुए कहा कि मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने एक संदिग्ध पुरूष को गिरफ्तार किया और हमले के मकसद और हालात की जांच की जा रही है।

ट्रम्प के लिए पिछले चुनाव से ज्यादा खर्च रहे मस्क

रिपब्लिकन पार्टी को 2,600 करोड़ चंदा दिया

वॉशिंगटन, एजेंसी

दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति इलॉन मस्क राष्ट्रपति ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी को मिडटर्म चुनाव में जिताने के लिए पिछले चुनाव से ज्यादा खर्च कर रहे हैं।

मस्क ने जुलाई से सितंबर तक के 3 महीने में रिपब्लिकन पार्टी को 276 मिलियन डॉलर यानी करीब 2,600 करोड़ रुपए से ज्यादा चंदा दिया है। इतना पैसा अब तक किसी शख्स ने मिडटर्म चुनाव में खर्च नहीं किया। मस्क ने अकेले इतना चंदा दिया कि डेमोक्रेटिक पार्टी को उस तिमाही में अपने सभी चंदा देने वालों से मिलाकर भी इतनी रकम नहीं मिली। मस्क ने 2025-26 में अब तक रिपब्लिकन पार्टी को करीब 366 मिलियन



24 के चुनाव में दिए गए उनके करीब 290 मिलियन डॉलर (करीब 2800 करोड़ रुपए) से ज्यादा है। मस्क की दी नई रकम से मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को आर्थिक बढ़त मिली है। इसके मुकाबले डेमोक्रेटिक पार्टी का कोई भी अरबपति चंदा देने वाला व्यक्ति मस्क जितना पैसा खर्च नहीं कर रहा है। मस्क के चंदे से यह भी साफ हुआ है कि वे अमेरिकी राजनीति में लंबे समय तक सक्रिय रहना चाहते हैं। मई 2025 में उन्होंने कहा था कि भविष्य में वे राजनीतिक खर्च काफी कम कर देंगे।

कल इंडोनेशियाई पायलट के कारण विमान लौटाया, फ्लाईदुबई हादसे के बाद 11 देशों के पायलटों पर रोक

इजराइल पहुंची अमेरिकी फ्लाइट को बम की धमकी

तेल अवीव, एजेंसी

अमेरिका के न्यूयॉर्क से तेल अवीव पहुंची डेल्टा एयरलाइंस की फ्लाइट को मंगलवार को बम की धमकी मिली। विमान खाली कराकर तलाशी ली गई, लेकिन कोई विस्फोटक नहीं मिला।

इससे एक दिन पहले इंडोनेशियाई पायलट के कारण इजराइल ने इथियोपियन एयरलाइंस के कार्गो विमान को उतरने की मंजूरी नहीं दी थी। पायलट बदलने के बाद विमान को अनुमति मिली।सितंबर में फ्लाईदुबई की फ्लाइट में हुए हादसे के बाद इजराइल ने सुरक्षा नियम सख्त कर 11 देशों के पायलटों और क्रू पर रोक लगा दी।

इनमें अफगानिस्तान, अल्जीरिया, इंडोनेशिया, ईरान, इराक, कुवैत, नाइजर, कतर, सऊदी अरब, सोमालिया और वेनेजुएला शामिल हैं। इन देशों के इजराइल से राजनयिक संबंध नहीं हैं। 30 सितंबर को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की फ्लाइट में ओमान के पायलट ने दूसरे पायलट पर चाकू से हमला कर दिया था।



इजराइल के बेन गुरियन एयरपोर्ट पर मंगलवार को लैंडिंग के बाद फ्लाइट की तलाशी ली गई।

विमान का ईंधन समुद्र के ऊपर गिराना पड़ा

इथियोपियन एयरलाइंस की फ्लाइट में सवार क्रू मेंबर्स की लिस्ट विमान के अदीस अबाबा से उड़ान भरने के बाद इजराइल को भेजी गई थी। यानी विमान के रवाना होने से पहले इजराइल को उसके क्रू की पूरी जानकारी नहीं मिली थी। विमान में उड़ान भरते समय काफी ईंधन था। पायलट को वापस अदीस अबाबा लौटना था, इसलिए विमान का वजन कम करने के लिए समुद्र के ऊपर ईंधन गिराया गया। इसके बाद पायलट को बदल दिया गया। नए पायलट को इजराइल में उतरने की मंजूरी मिलने के बाद विमान के दोबारा वहां जाने का रास्ता साफ हुआ।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमलावर विमान को इजराइल के बेन गुरियन एयरपोर्ट पर गिराने की कोशिश कर रहा था। हालांकि, कई यात्रियों ने बीच में आकर उसे रोक दिया और विमान की सऊदी अरब के ताबुक एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। फ्लाइदुबई की फ्लाइट का रूट



फ्लाइदुबई की फ्लाइट में ओमानी पायलट ने भारतीय कैप्टन स्मित मच्छर पर कॉकपिट में इमरजेंसी के लिए मौजूद छोटी कुल्हाड़ी से हमला किया था। यह तस्वीर 30 सितंबर की है जब कैप्टन स्मित को सऊदी के एयरपोर्ट से अस्पताल ले जाया गया था।

देखें फ्लाईदुबई की घटना के बाद जांच में पता चला था कि दुश्मन देशों के सैकड़ों क्रू मेंबर पहले भी इजराइल आ चुके हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने इसे देश की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा माना था।

एनर्जी सीजफायर के दावे के 2 दिन बाद रूस ने 6 ऊर्जा ठिकानों पर हमला किया

जेलेंस्की से ज्यादा पुतिन शांति समझौता चाहते हैं : डोनाल्ड ट्रम्प

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से ज्यादा शांति समझौता करना चाहते हैं।

ट्रम्प ने 11 अक्टूबर को रूस-यूक्रेन युद्ध में ऊर्जा ठिकानों पर हमले रोकने के लिए सीजफायर का दावा किया था। इसके दो दिन बाद यूक्रेन ने कहा कि रूस ने उसके 6 ऊर्जा ठिकानों पर हमले किए और 33 लोग घायल हुए और अलग-अलग हमलों में 8 यूक्रेनी नागरिकों की मौत हुई।

जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर कहा कि यूक्रेन अमेरिका के प्रस्ताव के तहत ऊर्जा ठिकानों पर हमले



रोकने के लिए तैयार है। लेकिन इसके लिए रूस को भी ऐसा करना होगा। इससे पहले उन्होंने वारसॉ सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में कहा था कि अगर रूस ने ऊर्जा ठिकानों पर हमले नहीं रोके, तो यूक्रेन भी जवाबी कार्रवाई करेगा। यूक्रेन के मुताबिक, अमेरिकी प्रस्ताव के ऐलान के कुछ ही घंटों बाद पूर्वी यूक्रेन के एक बिजलीघर पर हमला हुआ। रूस ने भी ऊर्जा सीजफायर लागू होने की पुष्टि नहीं की है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि रूस कुछ समय के लिए लड़ाई रोकने के बजाय ऐसी शांति चाहता है, जो लंबे समय तक बनी रहे।पेस्कोव के मुताबिक, पुतिन यूक्रेन में चुनाव के दिन रूसी सेना को गोलीबारी रोकने का आदेश देंगे। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि स्थायी शांति के लिए रूस किन शर्तों पर सहमत हो सकता है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि रूस की ओर से ऊर्जा ठिकानों पर हमले रोकने के कोई संकेत नहीं मिले हैं। उनके मुताबिक, रूस ने सोमवार को यूक्रेन के 6 ऊर्जा ठिकानों पर हमले किए। इन हमलों में देशभर में 33 लोग घायल हुए।



रूस के राष्ट्रपति पुतिन मॉस्को के क्रेमलिन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दामाद जेरेड कुशनर और विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के साथ यूक्रेन युद्ध खत्म करने के प्रस्तावों पर चर्चा की थी। तस्वीर 5 सितंबर 2026 की है।

ट्रम्प बोले- इस महीने युद्ध में 32 हजार लोग मारे गए

ट्रम्प ने दावा किया कि इस महीने युद्ध में 32 हजार लोग मारे गए हैं। हालांकि, इस आंकड़े की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

ट्रम्प ने दावा किया कि दोनों देश एनर्जी सीजफायर के लिए तैयार हो गए हैं। सोमवार को जब पत्रकारों ने उनसे पूछा कि रूस और यूक्रेन ने सहमति से इनकार किया है, तो उन्होंने कहा, वे सहमत हो गए। पता है क्यों? क्योंकि मैंने कहा कि वे सहमत हैं। इसी वजह से वे सहमत हुए। इस मामले को सुलझाना ही होगा।

यूपीआई पर 0.4% चार्ज दिवाली तक टला

2 हजार से ज्यादा के पेमेंट पर 15 अक्टूबर से लागू होना था

नई दिल्ली, एजेंसी

UPI पेमेंट पर 15 अक्टूबर से लागू होने वाला चार्ज दिवाली तक टाल दिया गया है। इसमें दुकानदार को 2,000 से ज्यादा का UPI पेमेंट करने पर 0.4% चार्ज लगना था। आम लोगों के बीच ट्रांजैक्शन पहले की तरह फ्री रहेगा।

NPCI ने त्योहारी सीजन को देखते हुए इसे टालने का फैसला लिया है। NPCI ने कहा है कि इसे दिवाली के तुरंत बाद लगाया जाएगा, लेकिन अभी तारीख नहीं बताई है।

अगर ग्राहक दुकानदार को 2,000 से ज्यादा का UPI पेमेंट करता है, तो दुकानदार को कुल रकम पर 0.4% का MDR चार्ज देना होगा। अगर ग्राहक 75,000 या उससे ज्यादा का बड़ा पेमेंट करता है, तो प्रतिशत के बजाय अधिकतम 300 का फ्लैट चार्ज लागू होगा।



अगर ग्राहक रेलवे, टेलीकॉम, इंश्योरेंस या फ्यूल पर 2,000 से ज्यादा का पेमेंट करता है, तो प्रति ट्रांजैक्शन 5 का फ्लैट चार्ज लगेगा।

दिवाली के दौरान देश भर के बाजारों में कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक्स, गहने और सामानों की भारी बिक्री होती है। ऐसे में डिजिटल पेमेंट बढ़ जाता है। कारोबारी संगठनों और पेमेंट कंपनियों का मानना था कि त्योहारों के बीच नया नियम लागू करने से दुकानों पर पेमेंट में रुकावट आ सकती है। इसी बात को ध्यान में रखकर NPCI ने दिवाली तक इस फैसले को आगे बढ़ा दिया है।

हमला : 480 से ज्यादा दुकानों के फ्रिज 50 डिग्री सेल्सियस तक गर्म, खाना खराब हुआ, कई जगह आग लगी

फ्रांस के सुपरमार्केट्स पर साइबर अटैक

पेरिस, एजेंसी

फ्रांस में सैकड़ों सुपरमार्केट्स के रेफ्रिजरेशन सिस्टम पर सोमवार को बड़ा साइबरअटैक हुआ। इससे 480 से ज्यादा दुकानों के फ्रिज और फ्रीजर का तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

फ्रांसीसी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हैकरों ने कई स्टोर्स के रेफ्रिजरेशन सिस्टम को डीफ्रॉस्टिंग मोड में डाल दिया। इससे ताजा और फ्रोजन खाना खराब हो गया।

कई स्टोर्स में आग भी लग गई। फ्रांस की बड़ी रिटेल कंपनियों ने इसे अब तक का ऐसा पहला और बेहद गंभीर हमला बताया।

सुपरमार्केट में फ्रिज और फ्रीजर को आमतौर पर कंट्रोल पैनल से चलाया जाता है। ये पैनल पूरे स्टोर के ठंडक वाले सिस्टम को कंट्रोल



करते हैं। इंटरनेट से जुड़े होने के कारण मेंटेनेंस करने वाली कंपनियां दूर बैठकर भी इनकी सेटिंग बदल सकती हैं।

अगर कोई हैकर इस सिस्टम तक पहुंचने में कामयाब हो जाए, तो वह फ्रिज और फ्रीजर की सेटिंग बदल सकता है। ऐसा करने के लिए हैकर सिस्टम की सुरक्षा में मौजूद किसी कमजोरी का फायदा उठाता है।

इस तरह वह फ्रिज और फ्रीजर की ठंडक कम कर सकता है या डीफ्रॉस्टिंग शुरू कर सकता है। डीफ्रॉस्टिंग वह प्रक्रिया है, जिसमें फ्रिज या फ्रीजर में जमी बर्फ पिघलाई जाती है।

इससे पहले 9 अगस्त को साइबर सिक्योरिटी कंपनी क्लैरोटी ने डैनफॉस के सिस्टम में मौजूद कुछ कमजोरियों पर एक रिपोर्ट जारी की थी। इसमें बताया गया था कि इन कमजोरियों का फायदा उठाकर हमलावर बिना सही पहचान जांच के सिस्टम तक पहुंच सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने जांच के आदेश दिए

फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबास्टियन लेकोर्नू ने नेशनल साइबरसिक्योरिटी एजेंसी ANSSI को जांच के आदेश दिए हैं। फ्रांस दूसरे यूरोपीय देशों के साथ मिलकर यह भी जांच कर रहा है कि वहां और कंपनियां प्रभावित हुई हैं या नहीं। पेरिस प्रॉसिक्यूटर ऑफिस ने इसे बड़े स्तर का हमला बताया। ऑफिस के मुताबिक, पूरे फ्रांस में कई बड़े फूड रिटेलर्स के इंटरनेट से जुड़े फ्रिजों को निशाना बनाया गया।

डैनफॉस ने कहा कि उसे फ्रांस में फ्रिज और फ्रीजर के सिस्टम से जुड़ी कुछ घटनाओं की जानकारी है। कंपनी के मुताबिक, इनमें सॉफ्टवेयर का पुराना वर्जन इस्तेमाल हो रहा

डेनमार्क की कंपनी के फ्रिज कंट्रोलिंग सॉफ्टवेयर में खराबी

प्रधानमंत्री कार्यालय के एक अधिकारी के मुताबिक, फ्रांस की साइबर सिक्योरिटी एजेंसी ने डेनमार्क की कंपनी डैनफॉस के सॉफ्टवेयर में एक कमजोरी की पहचान की है। इसी कंपनी के बनाए सिस्टम से सुपरमार्केट के फ्रिज और फ्रीजर कंट्रोल होते हैं। कंपनी ने बताया कि वह ग्राहकों को लंबे समय से सॉफ्टवेयर अपडेट रखने और पुराने उपकरण बदलने की सलाह देती रही है।

अजरबैजान में 96% मुस्लिम फिर भी हिजाब बैन हुआ

छात्राओं ने सरकार के फैसले का विरोध किया

बाकू, एजेंसी

मुस्लिम बहुल देश अजरबैजान में स्कूलों में हिजाब पहनने को लेकर विवाद शुरू हो गया है। सरकार ने स्कूलों के ड्रेस कोड में बदलाव किया है। नए नियमों के तहत ऐसे कपड़े पहनने पर रोक लगाई गई है, जिन्हें सरकार धर्मनिरपेक्षता के खिलाफ मानती है।

इसके बाद हिजाब पहनकर स्कूल पहुंचीं कुछ छात्राओं और शिक्षकों को कक्षाओं में जाने से रोक दिया गया। फैसले के विरोध में छात्राओं ने कक्षाओं का बहिष्कार किया और प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। इस फैसले का विरोध पड़ोसी देश तुर्किये तक पहुंच गया है। अजरबैजान की करीब 96% आबादी मुस्लिम है।

अजरबैजान सरकार का कहना है कि स्कूलों में सभी छात्रों के लिए एक जैसा ड्रेस कोड होना चाहिए। इसी वजह से यूनिफॉर्म से जुड़े नियम



बदले गए हैं।

नए नियमों में हिजाब का नाम लेकर सीधे रोक नहीं लगाई गई है। लेकिन ऐसे कपड़ों पर पाबंदी लगाई गई है, जिन्हें सरकार देश के धर्मनिरपेक्ष नियमों के खिलाफ मानती है। सरकार ने यह भी कहा है कि देश की संस्कृति और राष्ट्रीय परंपराओं से जुड़े कपड़े खास मौकों पर पहने जा सकते हैं। इसके लिए स्कूल की संबंधित समिति से मंजूरी लेनी होगी। अजरबैजान की करीब 96% आबादी खुद को मुस्लिम मानती है। इनमें ज्यादातर शिया मुस्लिम हैं, जबकि सुन्नी मुस्लिम भी बड़ी संख्या में हैं।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96